DD

RNI No. DLHIN/25/A2321

# दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 06, पृष्ठ: 08 infodivyadelhi@gmail.com

शनिवार, 13 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री सूयोदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

# देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने सीपी राधाकृष्णन

**सीपी राधाकृष्णन ने ली उपराष्ट्रपति पद की शपथ, राष्ट्रपति मुर्मु ने दिलाई शपथ**

**राजेश चौहान**
**नई दिल्ली**

सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति की शपथ ले ली है। सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राधाकृष्णन को राष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। दरअसल, सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की। बता दें कि यह चुनाव पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक इस्तीफे के बाद आयोजित किया गया था।

**देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने राधाकृष्णन**

एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को मंगलवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुना गया। चुनाव के बाद राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि 781 सांसदों में से 767 ने मतदान किया, जिससे 98.2 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ।

**महाराष्ट्र के राज्यपाल थे सीपी राधाकृष्णन**

**उपराष्ट्रपति** परिणामों की घोषणा के बाद पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन को बधाई दी। पीएम मोदी में विश्वास जताया कि नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति भारत के संवैधानिक मूल्यों को और मजबूत करेंगे तथा संसदीय संवाद में सकारात्मक योगदान देंगे। बता दें कि सीपी राधाकृष्णन महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। अब चूंकि वह देश के उपराष्ट्रपति बन गए हैं। इस स्थिति में महाराष्ट्र में गवर्नर का पद खाली हो गया। नए राज्यपाल की नियुक्ति तक गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त, महाराष्ट्र के राज्यपाल के कार्यों का भी कार्यभार सौंपा

**असाधारण रही है उपराष्ट्रपति पद की तक यात्रा**

देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए सीपी राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद की तक यात्रा असाधारण रही है। इस सफर की शुरूआत छात्र आंदोलन से हुई और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव के बाद इसका विस्तार राष्ट्रीय फलक तक हुआ। संघ से सक्रिय राजनीति में आए सीपी राधाकृष्णन ने भाजपा में संगठन में लंबे समय तक काम किया। 2004 से 2007 तक वह तमिलनाडु प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे। इस दौरान 2007 में उन्होंने 93 दिनों में 19,000 किलोमीटर लंबी रथ यात्रा की। इसका मकसद देश की नदियों को जोड़ना, आतंकवाद का उन्मूलन, समान नागरिक संहिता लागू करना, अस्पृश्यता निवारण और मादक पदार्थों के खतरों से निपटना था। 2020 से 2022 तक वह केरल भाजपा के प्रभारी भी रहे।

उन्हें संगठन और प्रशासन दोनों क्षेत्रों में मजबूत पकड़ वाला नेता माना जाता है। विनम्र और सुलभ नेता की छवि रखने वाले राधाकृष्णन को उनके समर्थक तमिलनाडु का मोदी कहकर पुकारते हैं।

## वैष्णो देवी यात्रा 14 सितंबर से बहाल, मौसम देगा साथ तो मिलेंगे दर्शन

**जम्मू**

खराब मौसम और ट्रैक के जरूरी मरम्मत कार्य के चलते अस्थायी रूप से रोकी गई श्री माता वैष्णो देवी यात्रा अब 14 सितंबर (रविवार) से दोबारा शुरू की जाएगी। हालांकि, यात्रा की बहाली मौसम अनुकूल रहने पर ही संभव होगी।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि भारी बारिश और ट्रैक की सुरक्षा के लिहाज से यात्रा को कुछ समय के लिए स्थगित किया गया था। मरम्मत कार्य अब लगभग पूरा हो चुका है और यदि मौसम सहयोग करता है, तो श्रद्धालु 14 सितंबर से फिर से माता के दर्शन कर सकेंगे।

## लोग डरते हैं कि भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा?

**इसीलिए भारत पर टैरिफ लगा रहे', भागवत की दो टूक**

**लोगों को डर है कि अगर कोई और बड़ा हो गया तो उनका क्या होगा**

**नागपुर**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बिना उन्हें आईना दिखाया। टैरिफ के मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए भागवत ने कहा कि कुछ लोग भारत की प्रगति से डरते हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि अगर भारत आगे बढ़ गया तो उनका क्या होगा। इसलिए वे टैरिफ का सहारा लेते हैं। मोहन भागवत ने कहा, 'लोगों को डर है कि अगर कोई और बड़ा हो गया तो उनका क्या होगा। अगर भारत बड़ा हो गया तो वे कहां रहेंगे? इसलिए उन्होंने टैरिफ लगा दिया। हमने कुछ नहीं किया। वे उसी को खुश कर रहे हैं, जिसने यह सब किया, क्योंकि अगर यह उनके पास है, तो वे भारत पर थोड़ा दबाव डाल सकते हैं। यह सब 'मैं और मेरा' के खेल में होता है।

जब वे समझ जाते हैं कि 'मैं और मेरा' वास्तव में 'हम और हमारा' है, तो सभी मुद्दे समाप्त हो जाते हैं। आज दुनिया को एक समाधान की आवश्यकता है।'

**'...समस्याओं का सामना करना पड़ता रहेगा'**

उन्होंने यह भी कहा कि कहा कि जब तक मनुष्य और देश अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं समझेंगे, तब तक उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ता रहेगा। नागपुर में ब्रह्माकुमारीज विश्व शांति सरोवर के सातवें स्थापना दिवस पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि महिलाओं की ओर से संचालित आध्यात्मिक आंदोलन ब्रह्माकुमारीज की तरह आरएसएस भी आंतरिक चेतना को जागृत करने का काम करता है।

## दिशा की बैठक में राहुल और यूपी सरकार के मंत्री के बीच कहासुनी!

**रायबरेली**

यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की रायबरेली में दिशा (जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति) की बैठक में कहासुनी हो गई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मंत्री ने बाहर आकर बताया कि वो (राहुल गांधी) अलग-अलग मुद्दों को लेकर चर्चा करना चाहते थे। इस पर मैंने कहा कि दिशा के जो नियम हैं चर्चा उसके तहत ही होगी। दिनेश के अनुसार, राहुल कह रहे थे कि वो दिशा के अध्यक्ष हैं जिस पर मैंने जवाब दिया कि अगर मुद्दे पर बात करेंगे और परिधि में रहेंगे तो ही अध्यक्ष हैं। दिशा के जो 43 कार्यक्रम हैं। बैठक में उन्हीं पर चर्चा होगी।

## चंदर विहार में मुंडका विधानसभा के विधायक गजेंद्र दराल के नेतृत्व में आधार कार्ड कैंप आयोजित किया गया

**शिवानी कौर बमराह**

**दिव्य दिल्ली।** दिल्ली के चंदर विहार में मुंडका विधानसभा के विधायक गजेंद्र दराल के नेतृत्व में आधार कार्ड कैंप आयोजित किया गया। इस कैंप को चंदर विहार स्थित भाजपा कार्यालय पर निःशुल्क लगाया गया।

इस कैंप में निलौठी के उपाध्यक्ष रोहित दलाल, बी. बी. गुप्ता, सचिन सहित सभी ने अपना भरपूर योगदान किया। इस आधार कार्ड कैंप का स्थानीय जनता ने लाभ उठाया।

# पानी उतरा, उभरे जख्म: पंजाब में बाढ़ का सितम

## हजारों घरों में घुसा मलबा; फसलों के अवशेष तक नहीं बचे, सड़कें टूटने से संपर्क कटा, दो गांवों की डेढ़ सौ एकड़ जमीन सतलुज में समाई

**अमृतसर/फिरोजपुर**

पंजाब में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे उतरने लगा है। जैसे-जैसे तबाही के निशान सामने आ रहे हैं लोगों के जख्म भी उभरने लगे हैं। लोगों का कहना है कि उन्हें सब कुछ दोबारा खड़ा करना होगा। फसल, घर व कारोबार सब बर्बाद हो चुका है। अब उन्हें सरकार से मदद की दरकार है।

**बाढ़ दे गई गहरे जख्म, धान की फसल हुई खराब**

हुसैनीवाला बॉर्डर के ग्रामीणों को सतलुज दरिया में आई बाढ़ गहरे जख्म दे गई है। धान की फसल पानी में डूबने के चलते पूरी तरह खराब हो गई है। गांवों की सड़कें टूट गई हैं। पानी के बहाव में कई मकान गिर चुके हैं। घरों के अंदर कीचड़ भर गया है। लोग मकानों की छतों पर तिरपालें लगाकर रहने को मजबूर हैं।

**सड़कें टूटने से संपर्क कटा**

हुसैनीवाला बॉर्डर से सटे 17 गांवों में से पानी उतर चुका है। अब लोगों को और कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सड़कें जगह-जगह से टूट चुकी हैं, कई गांव एक-दूसरे से कट चुके हैं। लोगों के घरों में दो से तीन फीट कीचड़ भर गया है। ऐसी स्थिति में लोग मकानों की छतों पर तिरपाल लगाकर रहने को मजबूर हैं। कई लोगों के घर गिर गए हैं, वे लोग गांव में सुरक्षित जगहों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। पानी में डूबी धान की फसल बुरी तरह नष्ट हो चुकी है। दूर-दूर तक बर्बाद धान की फसल दिखाई पड़ती है। बीएसएफ के बंकर पानी में ध्वस्त हो गए हैं।

**दो गांवों की डेढ़ सौ एकड़ जमीन सतलुज में समाई**

गांव टेंडी वाला और कालू वाला में पाकिस्तान से भारत में आने वाले दरिया का आकार बहुत बड़ा हो गया है। उक्त गांव के कई घर दरिया में समा गए हैं। अब भी टेंडी वाला और कालू वाला की तरफ दरिया की मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले समय में इनका नाम ही रह जाएगा। ये दोनों गांव दरिया में समा जाएंगे। जिस तरह पाकिस्तान से पानी सतलुज दरिया में गिर रहा है टेंडी वाला की लगभग बीस एकड़ जमीन और दरिया निगल जाएगा। इस समस्या संबंधी ग्रामीण प्रकाश सिंह, गुरदेव सिंह, मंगल सिंह, बलबीर सिंह व अन्य ग्रामीणों ने अवगत कराया है। अमृतसर के सीमांत सेक्टर अजनाला का ऐतिहासिक गांव चमियारी, कभी स्वतंत्रता सेनानियों के शौर्य और जन संघर्षों में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए जाना जाता था।

आज यह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। बीते दिनों रावी दरिया के रौद्र रूप और मूसलाधार बारिश ने इस गांव की तस्वीर ही बदलकर रख दी है। रावी का पानी तो अब उतर चुका है लेकिन यह अपने पीछे तबाही के गहरे निशान छोड़ गया है। इससे यहां के लोग एक अनकहे डर और भविष्य की चिंता में जी रहे हैं। गांव में प्रवेश करते ही बाढ़ की भयावहता का मंजर साफ दिखाई देता है। जो सड़कें कभी गांव को मुख्य मार्गों से जोड़ती थीं वे आज गड्ढों और दरारों से भरी पड़ी हैं। उनका अस्तित्व लगभग मिट चुका है। गांव की गलियों में अब पानी की जगह घुटनों तक गाद है। इससे बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना दूभर हो गया है।

दोनों गांवों की लगभग डेढ़ सौ एक-ड़ जमीन सतलुज दरिया में समा गई है।

## पंजाब को बाढ़ से राहत नहीं, उत्तराखंड-हिमाचल में भारी वर्षा की चेतावनी

**नई दिल्ली**

बाढ़ से जूझ रहे पंजाब के लोगों को अभी राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। इसका मुख्य कारण बांधों से नदियों में लगातार छोड़ा जा रहा पानी है। इसी बीच भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) ने भाखड़ा बांध के फ्लड गेट को एक बार फिर और खोलने का फैसला लिया है।

**सतलुज में जलस्तर बढ़ने का खतरा**

गुरुवार को भाखड़ा बांध के फ्लड गेटों को तीन फीट से बढ़ाकर चार फीट तक खोल दिया गया।

इससे सतलुज में जलस्तर बढ़ने का खतरा एक बार फिर मंडराने लगा है। खास बात यह है कि लुधियाना में सतलुज के पानी से और जालंधर में तटबंध टूटने का खतरा पैदा हो गया है।

## डर से रात को सो नहीं पा रहे ग्रामीण

चारों ओर फैली गंदगी और सड़ांध बीमारियों को निमंत्रण दे रही है।

गांव के निवासी सतनाम सिंह अपने घर के बाहर टूटी हुई गली को बेबसी से देखते हुए भर्राई आवाज में कहते हैं कि दो सप्ताह तक हमारे घरों में ढाई से तीन फीट तक पानी खड़ा रहा। हर पल यही डर था कि घर की छत न गिर जाए। हम रात को सो नहीं पाए। बीएसएफ और प्रशासन की टीमों ने खाने-पीने का सामान पहुंचाया। हम डर के साए में बिताए ये दिन शायद ही कभी भूल पाएं। आपदा ने केवल इंसानों के आशियानों को ही नहीं बल्कि उनके सपनों को भी तोड़ा है। गांव के आधा दर्जन से अधिक घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई कच्चे घरों की छतें ढह गई हैं। जगरूप सिंह कहते हैं कि गांव के कुछ लोगों के कच्चे मकान अब रहने लायक नहीं बचे हैं। परिवार के साथ पीड़ित पड़ोसियों के घर में शरण लिए हुए हैं लेकिन यह अनिश्चितता उन्हें खाए जा रही है कि वे अपना घर दोबारा कब बना पाएंगे।

आपदा का सबसे बड़ा असर खेती और पशुधन पर पड़ा है। किसानों की सैकड़ों एकड़ फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। खेतों में पानी के साथ आई रेत और गाद की मोटी परत जम गई है जिससे जमीन बंजर होने के कगार पर है। जसवंत सिंह बताते हैं कि गांव में धान की फसल तो पूरी तरह गल गई। अब अगली फसल की बुआई कैसे होगी। खेतों में जमी रेत को हटाने में ही लाखों का खर्च और महीनों की मेहनत लगेगी।

## गंगोत्री -यमुनोत्री हाईवे पर सक्रिय हुए पुराने भूस्खलन क्षेत्र

**उत्तरकाशी**

गंगोत्री हाईवे पर नालूपानी और नलूणा भूस्खलन नासूर बनाते जा रहा है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग गंगोत्री ठीक नौ बजे नालूपानी में बंद हो गया, जिससे दोनों ओर से आने जाने चारधाम यात्रियों समेत राहगीरों की लंबी कतारें लग गई। इधर बीआरओ मार्ग को बहाल करने के लिए दोनों ओर से पोकलेन मशीन लगाई गई है। बता दें कि मानसून ने इस बार पहाड़ों को न केवल गहरे जख्म दिए हैं बल्कि यहां के लाइफ लाइन गंगोत्री एवं यमुनोत्री हाईवे के पुराने जख्मों को भी हरा कर दिया है। गंगोत्री हाईवे पर पुराने भूस्खलन जोन फिर सक्रिय हो गए हैं।दरअसल अगस्त महीने में जिस तरह बादल फटने और अतिवृष्टि की घटनाओं ने जोर पकड़ा, उससे पूरे पहाड़ पर कई नए लैंडस्लाइड जोन तैयार हो गए। यही नहीं इसका असर उन क्षेत्रों में भी हुआ जहां पूर्व में लैंडस्लाइड जोन तो थे, लेकिन ट्रीटमेंट के चलते इन्हें निष्क्रिय कर दिया गया था। उधर आपदा प्रबंधन विभाग की तरफ से ऐसे खास लैंडस्लाइड जोन का अध्ययन कराने की तैयारी की जा रही है, जो अतिवृष्टि या बदल फटने के कारण बने हैं।

## काशीपुर में मंदिर भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई मजार ध्वस्त

**देहरादून**

राज्य की धामी सरकार की ओर से अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर लगातार अभियान जारी है। प्रशासन ने शुक्रवार तड़के जनपद उधमसिंहनगर के काशीपुर तहसील के भूमि अभिलेखों में दर्ज मंदिर वाले स्थान पर कब्जा कर अवैध रूप से बनाई गई मजार को ध्वस्त कर दिया। अब तक राज्य में 553 अवैध मजार संरचनाओं को ध्वस्त किया गया है। जनपद के काशीपुर तहसील क्षेत्र में ग्राम कचनाल गुसाईं में बनी अवैध मजार के संचालक को 27 अगस्त को प्रशासन ने एक शिकायत के आधार पर नोटिस जारी कर भूमि और निर्माण संबंधी दस्तावेज दिखाने के लिए 15 दिन का समय दिया था। अवधि पूर्ण होने के बावजूद संचालक ने नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया। प्रशासन ने कई बार मौके पर फोर्स के साथ जाकर स्थिति का जायजा भी लिया। इस दौरान कोई भी इस बारे में चर्चा करने के लिए नहीं मिला। काशीपुर में स्थानीय और वरिष्ठ लोगों की शिकायत थी कि पहले यहां ग्राम देवता का मंदिर हुआ करता था ।

## दिल्ली के बाद अब बॉम्बे हाईकोर्ट को मिली बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया गया

**नई दिल्ली**

बॉम्बे हाईकोर्ट में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कोर्ट को उड़ाने की धमकी की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि आज बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इससे पहले आज दोपहर दिल्ली के उच्च न्यायालय में भी बम की धमकी मिली। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, बॉम्बे हाईकोर्ट में बम की धमकी की खबर जैसे ही सामने आई, वहां पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। इसके तुरंत बाद वहां पर मौजूद सुरक्षाकर्मी एक्टिव हो गए। आनन-फानन में बॉम्बे हाईकोर्ट के परिसर को खाली कराया गया। **जांच में जुटे अधिकारी**

बम की सूचना मिलने के तुरंत बाद अधिकारी जांच में जुट गए। बॉम्बे हाईकोर्ट में तलाशी ली जा रही है। पूरे परिसर को खाली कराया जा रहा है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ये बम की धमकी किसने दी थी।

**दिल्ली एचसी को भी मिली बम से उड़ाने की धमकी**

दिल्ली के उच्च न्यायालय में भी बम की खबर सामने आई है। जिसके तुरंत बाद पूरे कोर्ट परिसर को खाली करा लिया गया। मौके पर पहुंची दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

## 1,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे

**इंफाल**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी असम समेत तीन पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री 13 सितंबर को मणिपुर के चूड़चंदपुर के पीस ग्राउंड से 7,300 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

चूड़चंदपुर में कुकी बहुसंख्यक हैं। 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद पीएम मोदी की यह पहली यात्रा होगी।

**चूड़चंदपुर में कुकी बहुसंख्यक हैं**

पीएम मोदी मैतेयी बहुल इंफाल से 1,200 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री की यात्रा के मद्देनजर इंफाल और चूड़चंदपुर जिला मुख्यालय में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

**2023 से हो रही मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा**

मणिपुर में मई 2023 से मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में 260 लोग मारे गए और हजारों बेघर हुए हैं। पिछले कुछ दिनों से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि पीएम मोदी पड़ोसी राज्य मिजोरम की अपनी आधिकारिक यात्रा के साथ मणिपुर की यात्रा भी करेंगे, लेकिन सरकार या भाजपा की ओर से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई। इंफाल में गुरुवार शाम लगाए गए होर्डिंग में प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

मणिपुर के एकमात्र राज्यसभा सदस्य लीशेम्बा सनाजाओबा ने प्रधानमंत्री की यात्रा को लोगों और राज्य के लिए "बहुत सौभाग्यशाली" बताया।

## मणिपुर समेत तीन पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, 7300 करोड़ की विकास परियोजनाओं की की देंगे सौगात

## समंदर में नारी शक्ति का दम, समुद्री मार्ग से विश्व भ्रमण पर निकलीं तीनों सेनाओं की दस महिला अधिकारी

'अगले नौ महीनों में 10 महिला अधिकारी स्वदेशी नौकायन पोत आइएएसवी त्रिवेणी से लगभग 26 हजार नॉटिकल मील की यात्रा करेंगी। वे दो बार भूमध्य रेखा को पार करेंगी

**नई दिल्ली**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के पहले महिला जलयात्रा अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तीनों सेनाओं की दस महिला अधिकारी अगले नौ महीने के दौरान दुनिया के कुछ खतरनाक जल क्षेत्रों समेत लगभग 26 हजार नॉटिकल मील की दूरी तय करेंगी।

**दस महिला अधिकारी आइएएसवी त्रिवेणी से रवाना हुई हैं**

वे आइएएसवी त्रिवेणी से रवाना हुई हैं। समुद्री मार्ग से विश्व भ्रमण के इस अभियान को 'समुद्र प्रदक्षिणा' नाम दिया गया है। दुनिया में इस तरह की यह पहली त्रि-सेवा यात्रा बताई जा रही है।

यह अभियान मुंबई के गेटवे आफ इंडिया से शुरू हुआ और रक्षा मंत्री ने इसे दिल्ली से वर्चुअली झंडी दिखाकर रवाना किया। राजनाथ ने अपने संबोधन में इस यात्रा को 'नारी शक्ति' का एक प्रतीक बताया, जो तीनों सेनाओं की सामूहिक शक्ति और एकता, आत्मनिर्भर भारत और इसके सैन्य व कूटनीतिक दृष्टिकोण को दशार्ता है।

**दो बार भूमध्य रेखा को पार करेंगी**

जबकि रक्षा मंत्रालय ने बताया, 'अगले नौ महीनों में 10 महिला अधिकारी स्वदेशी नौकायन पोत आइएएसवी त्रिवेणी से लगभग 26 हजार नॉटिकल मील की यात्रा करेंगी। वे दो बार भूमध्य रेखा को पार करेंगी और तीन प्रमुख केप लीउविन, हॉर्न, और गुड होप को पार करेंगी।

**अगले वर्ष मई में मुंबई लौटेगी**

इस अभियान में वे प्रमुख महासागरों से होकर गुजरेंगी और ड्रेक पैसेज जैसे दुनिया के सबसे खतरनाक समुद्री इलकों में भी यात्रा करेंगी।' यह अभियान लगभग नौ महीने में पूरा होने की संभावना है। यह टीम चार विदेशी बंदरगाहों पर रुकेगी और अगले वर्ष मई में मुंबई लौटेगी।

## भारत में सभी आयु वर्गों में बढ़ रहा है अधिक वजन और मोटापा

**नई दिल्ली**

भारत में सभी आयु वर्गों में अधिक वजन और मोटापे में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, जिसमें सबसे छोटे बच्चे से लेकर किशोर और वयस्क शामिल हैं। स्वस्थ आहार पर बात करते हुए यूनिसेफ ने राष्ट्रीय मीडिया गोलमेज सम्मेलन में भारत को लेकर चेतावनी दी। हाल ही में जारी यूनिसेफ की बाल पोषण वैश्विक रिपोर्ट 2025 के अनुसार, मोटापा पहली बार स्कूली बच्चों और किशोरों में कुपोषण के सबसे आम रूप के रूप में दुनिया भर में कम वजन से आगे निकल गया है।

आज, दुनिया भर में हर दस में से एक बच्चा, यानी लगभग 18.8 करोड़, मोटापे से ग्रस्त है। कभी संपन्नता की स्थिति मानी जाने वाली मोटापा अब भारत सहित निम्न और मध्यम आय वाले देशों में तेजी से फैल रहा है। दक्षिण एशिया के देशों में वर्ष 2000 में अधिक वजन की व्यापकता सबसे कम थी। वर्ष 2022 तक, 5-9 वर्ष, 10-14 वर्ष और 15-19 वर्ष की आयु के बच्चों में यह व्यापकता लगभग पांच गुना बढ़ गई। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में अधिक वजन और मोटापे में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, जिसमें एनएफएचएस 3 (2005-06) से एनएफएचएस 5 (2019-21) के बीच 127 प्रतिशत (1.5 प्रतिशत से 3.4 प्रतिशत) की व्यापकता बढ़ रही है। इसी तरह, किशोर लड़कियों और लड़कों में अधिक वजन, मोटापे में क्रमशः 125 प्रतिशत (2.4 प्रतिशत से 5.4 प्रतिशत) और 288 प्रतिशत (1.7 प्रतिशत से 6.6 प्रतिशत) की वृद्धि देखी गई है।

## सिक्किम में भूस्खलन से तबाही, चार की मौत और तीन लापता

**नई दिल्ली**

सिक्किम में भूस्खलन की घटना में जहां चार लोगों की मौत हो गई है। वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह घटना पश्चिम सिक्किम के यांगथांग विधानसभा क्षेत्र के अधीन अपर रंबी में हुई है। पुलिस तथा प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है। गेजिंग के पुलिस अधीक्षक छीरिंग शेरपा के अनुसार, भूस्खलन के समय तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मौक पर पहुंचे पुलिस अधिकारी खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची एवं राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। पुलिस टीम ने स्थानीय ग्रामीणों और एसएसबी के साथ मिलकर ह्यूम नदी पर अस्थायी रूप से पेड़ के लट्ठों का पुल बनाकर दो घायलमहिलाओं को प्रभावित क्षेत्र से निकाला। दोनों को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक महिला की मौत हो गई। दूसरी महिला की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

## दक्षिणपंथी नेताओं को निशाना बनाने वाले थे आतंकी, आतंकियों की चैट से हुआ खुलासा

### 5 आतंकियों की हुई थी गिरफ्तारी

### चैट से सामने आए कई राज

### भारी मात्रा में हथियार भी बरामद

**नई दिल्ली**

देशभर से हुई 5 संदिग्ध आईएसआईएस आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। आतंकियों की चैट के जांच के बाद पता चला है कि वे सभी कुछ दक्षिणपंथी नेताओं को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। ये गिरफ्तारियां दिल्ली, मध्य प्रदेश, झारखंड और तेलंगाना से हुईं।

दो आरोपियों आफताब और अबू सूफियान को दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। ये दोनों मुंबई जा रहे थे। वहीं मुख्य आरोपी अशहर दानिश को रांची से गिरफ्तार किया गया है।

**बड़ी मात्रा में हथियार बरामद**

एक अन्य आरोपी कामरान कुरैशी को मध्य प्रदेश के राजगढ़ से गिरफ्तार किया गया, वहीं हजैफ यमन को तेलंगाना से पकड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि इनके पास से बड़ी मात्रा में केमिकल, हथियार और कारतूस बरामद किए गए।

इसके अलावा एक पिस्तौल, एक लैपटॉप, मोबाइल फोन, वजन मापने की मशीन, बीकर सेट, सुरक्षा दस्ताने, श्वसन मास्क, मदरबोर्ड वाला एक प्लास्टिक कंटेनर और तार भी जब्त किए गए हैं। बताया जा रहा है कि मॉड्यूल में करीब 40 सक्रिय सदस्य थे, जिसमें से केवल 5 इस आतंकी गतिविधि की जानकारी थी।

**इंग्लिश में पोस्ट ग्रेजुएट है दानिश**

कुछ आतंकवादी आत्मघाती जैकेट और आत्मघाती हमलावर भी तैयार कर रहे थे। मुख्य आरोपी दानिश इंग्लिश में पोस्ट ग्रेजुएट है। उसका कोड नेम गजवा था। वह खुद को एक छात्र के रूप में दिखाता था। एक बार आईईडी बनाते वक्त दानिश घायल भी हुआ था।

अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी रासायनिक हथियार बनाने में माहिर थे और आईएसआईएस के स्लीपर मॉड्यूल का हिस्सा था। वे संगठन में युवाओं की भर्ती का काम कर रहे थे। उन्हें बम बनाने, हथियार खरीदने और संगठन की ताकत बढ़ाने का काम सौंपा गया था।

## एसएससी ने भर्ती परीक्षाओं के लिए बदली नार्मलाइजेशन की प्रक्रिया, उम्मीदवारों को नहीं होगा नुकसान

**नई दिल्ली**

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने परीक्षाओं में अपनाई जाने वाली नार्मलाइजेशन प्रक्रिया को लेकर नया स्पष्टीकरण जारी किया है। आयोग का कहना है कि अलग-अलग शिफ्टों में होने वाली परीक्षाओं में कठिनाई का स्तर एक समान नहीं होता। कोई शिफ्ट अपेक्षाकृत आसान हो सकती है तो कोई कठिन। ऐसे में यदि सीधे अंकों की तुलना की जाए तो उम्मीदवारों के साथ न्याय नहीं होगा। इसी असमानता को दूर करने के लिए नार्मलाइजेशन प्रक्रिया अपनाई जाती है। आयोग ने बताया कि नार्मलाइजेशन का मतलब है उम्मीदवारों के अंकों को इस तरह समायोजित करना कि सभी शिफ्टों के अभ्यर्थियों के परिणाम एक ही पैमाने पर आंका जा सकें। यानी किसी उम्मीदवार के प्रदर्शन का मूल्यांकन सिर्फ उसकी शिफ्ट से नहीं, बल्कि पूरे परीक्षा समूह से किया जाएगा। पहले की प्रक्रिया में अंकों को एडजस्ट करने के लिए कई पहलुओं पर ध्यान दिया जाता था। इसमें प्रत्येक शिफ्ट के टॉप स्कोर, औसत अंक और अंकों में भिन्नता को शामिल किया जाता था। इन मानकों के आधार पर हर उम्मीदवार के लिए नया, समायोजित स्कोर तैयार किया जाता था। नई प्रक्रिया में भी यही सिद्धांत अपनाया गया है, परंतु आयोग ने इसे और स्पष्ट रूप से समझाया है।

दिल्ली के लिए विशेष नियम नहीं बन सकता', सुप्रीम कोर्ट के अनुसार यदि पटाखे बैन करने हैं तो यह निर्णय पूरे देश के लिए होना चाहिए।

# पटाखा बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

**एनसीआर के लोगों को साफ हवा का अधिकार है तो अन्य शहरों के नागरिकों को क्यों नहीं?**

**नई दिल्ली**
दिल्ली में प्रदूषण के चलते बीते कई साल से दिवाली पर पटाखे बैन के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि दिल्ली के लिए विशेष नियम नहीं हो सकते। दिल्ली में पटाखा बैन पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ दिल्ली में पटाखा बैन नहीं कर सकते। अगर पटाखे बैन हों तो पूरे देश में हों।

**चीफ जस्टिस बीआर गवई ने की अहम टिप्पणियां**
सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कहा कि प्रदूषण खत्म करने के लिए कोई भी नीति सिर्फ दिल्ली के लिए लागू नहीं रह सकती क्योंकि यहां पर 'देश के एलीट' लोग रहते हैं। अगर एनसीआर के लोगों को साफ हवा का अधिकार है तो देश के अन्य शहरों के नागरिकों को क्यों नहीं?

**प्रदूषण से निपटने के लिए जो भी नीति हो वो पूरे देश में लागू होनी चाहिए: चीफ जस्टिस**

चीफ जस्टिस बीआर गवई ने अपनी टिप्पणी में कहा कि प्रदूषण से निपटने के लिए जो भी नीति हो वो पूरे देश में लागू होनी चाहिए। हम कोई भी पॉलिसी सिर्फ दिल्ली के लिए नहीं बना सकते क्योंकि यहां देश का एलीट क्लास रहता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणियां 3 अप्रैल के अपने उस आदेश के खिलाफ डाली गई याचिका पर की जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, जमाखोरी, ट्रांसपोर्टेशन और बनाने पर रोक लगा दी थी।

## 150 घरों पर अचानक पहुंचे नोटिस, देखते ही उड़े लोगों के होश

**नई दिल्ली**
बाहरी दिल्ली में जमीन अधिग्रहण को लेकर दिल्ली के राजस्व विभाग की ओर से निकाले गए पब्लिक नोटिस के बाद तीर्थंकर नगर जैन कॉलोनी, करावला के कश्मीरी ब्लॉक में रहने वाले करीब 150 मकान मालिकों की नींद उड़ गई है। उत्तर-पश्चिम जिला मजिस्ट्रेट की ओर से बताया गया कि सरकार भूमि के लिए नए अधिग्रहण की कार्यवाही शुरू करने का इरादा रखती है। इस जमीन को सार्वजनिक उद्देश्य के लिए अधिग्रहित किया जाना है। मुआवजे और आपत्ति के लिए जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से संपर्क करने को कहा गया है। इस नोटिस पर लोगों ने नाराजगी जाहिर की है। लोगों का कहना है कि 1990 से लोग रह रहे हैं। सरकार

ने सभी मूलभूत सुविधाएं दे रखी हैं। यही नहीं, उनकी कालोनी का नाम पीएम उदय योजना में भी दर्ज है। इस क्षेत्र में कई विस्थापित कश्मीरी पंडित भी रह रहे हैं। एक प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि यह एक प्रक्रिया है, अगर किसी को कोई आपत्ति और परेशानी है तो लिखित में अवगत कराना चाहिए। गत 31 जुलाई को जारी किए गए इस नोटिस में पिछले साल मई माह में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के पांच खसरा नंबर का उल्लेख किया गया है। नोटिस में बताया गया है कि सरकार आरएफसीटीएलएआरआर अधिनियम, 2013 के तहत नए सिरे से अधिग्रहण करना चाहती है। जमीन अधिग्रहण के इस नोटिस के बाद प्रभावित लोग लामबंद होने लगे हैं। वहीं, लोगों ने इक्ट्ठा होकर संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की है और कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिखे हैं। तीर्थंकर नगर जैन कालोनी के कश्मीरी ब्लाक में रहने वाले वरिष्ठ नागरिक महाराज शाह ने बताया कि वे कश्मीरी पंडित हैं। 1990 में यहां आकर बसे थे।

## सिंचाई विभाग ने एनजीटी में दाखिल किया जवाब, गाजीपुर नाले में मलबा डालने का मामला

**नाले में निर्माण मलबा व गैर उपचारित सीवेज डाले जाने से पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है**

**नई दिल्ली**
दिल्ली के गाजीपुर नाले में निर्माण मलबा और गैर-शोधित सीवेज डालने के खिलाफ दायर आवेदन पर सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जवाब दाखिल किया। सिंचाई एवं बाढ़ विभाग ने कहा कि यह नाला वास्तव में बरसाती नाला है और वह इसकी रखरखाव करता है। विभाग ने स्वीकार किया कि आनंद विहार अप्सरा बार्डर फ्लाईओवर के निर्माण के दौरान मलबा नाला में गिरा था। यह भी कहा कि विभाग ने ठेकेदार और लोक निर्माण विभाग को कई पत्र मलबा हटाने और अन्य कदम उठाने के लिए लिखे थे। हालांकि, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने गैर-शोधित सीवेज डाले जाने की जिम्मेदारी से इन्कार करते हुए कहा कि यह काम दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) का है। उक्त तथ्यों को देखते हुए एनजीटी ने आवेदनकर्ता रेजिडेंट वेलफेयर एसोसएिशन सरिता विहार को विभाग के हलफनामा पर प्रत्युत्तर दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई स्थगित कर दी। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि नाले में निर्माण मलबा व गैर उपचारित सीवेज डाले जाने से पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है। इसके कारण आसपास के इलाकों में स्वास्थ्य व पर्यावरण की समस्याएं हो रही हैं।

## अभिषेक बच्चन की व्यक्तिगत चीजों के अनधिकृत इस्तेमाल पर कोर्ट ने लगाई रोक

**नई दिल्ली**
दिल्ली उच्च न्यायालय ने फिल्म अभिनेता अभिषेक बच्चन के नाम, आवाज और तस्वीरों के साथ उनकी व्यक्तिगत चीजों के अनधिकृत रुप से इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व से संबंधित किसी भी प्रतीक का इस्तेमाल उसके निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इससे उसकी गरिमा के साथ जीने के अधिकार भी प्रभावित होते हैं। सुनवाई के दौरान शुक्रवार को उच्च न्यायालय ने

संबंधित यूआरएल (वेबलिंक) को हटाने का निर्देश दिया कि जो बिना अनुमति के अभिषेक बच्चन के व्यक्तित्व से जुड़ी किसी भी चीज का इस्तेमाल कर रहे थे।

## यमुना शांत... लेकिन टेंट में रात-दिन गुजारना मुश्किल, पीड़ित बोले- पानी उतरते ही कम होती गई मदद

**नई दिल्ली**
यमुना का जलस्तर सामान्य हो गया है, फिर भी लोग चिल्ला, यमुना खादर, विकास मार्ग, पुराना उस्मानपुर और गढ़ी मांडू समेत अन्य जगहों पर सड़क पर टेंट लगाकर रहे हैं। लोगों ने बताया कि अब उनके पास पर्याप्त राशन भी नहीं बचा है जो कुछ भी था वह बाढ़ में बर्बाद हो गया है। इन लोगों ने आरोप लगाया कि बाढ़ के एक-दो दिन तक सरकार की ओर से मदद की गई, लेकिन पानी कम होने के बाद प्रशासन की ओर से न के बराबर मदद की जा रही है। लोगों ने बताया कि पहले गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से यहां पर हर घंटे कुछ न कुछ मदद मिल जाती थी, लेकिन अब वह भी कम हो चुकी है। बाढ़ प्रभावितों ने बताया कि यमुना का पानी कम होते ही वह अपने घरों तक गए लेकिन खाने-पीने का सारा सामान खराब हो चुका था। जो बची हुई चीजें थीं वह साथ लेकर आ गए। कोई संस्था खाने-पीने की चीजें लेकर मदद के लिए पहुंचती है, तो लंबी कतार की वजह से हर जरूरतमंद तक सामान नहीं पहुंच पाता है।

**कुछ लोग ऐसे भी आते हैं, जो दान करते वक्त हर एक व्यक्ति की फोटो क्लिक करते रहते हैं**

**दानदाताओं में फोटो लेने की होड़**
लोगों ने बताया कि यहां पर कुछ लोग ऐसे भी आते हैं, जो दान करते वक्त हर एक व्यक्ति की फोटो क्लिक करते रहते हैं। वह थोड़ा सा भी कुछ देते हैं, तो वह पहले उसकी फोटो लेते हैं और वीडियो बनाते हैं। फिर उसके बाद वह लोगों की मदद करते हैं। ऐसे में लोग मदद लेते वक्त खुद को शर्मिंदा महसूस करते हैं। टेंट में रात-दिन गुजारना बहुत मुश्किल हो रहा है। किसी तरह हम लोग यहां पर रहे हैं। शुरू-शुरू में यहां कई लोग मदद के लिए आते थे, लेकिन पानी कम होने के बाद अब यहां पर लोगों ने आना कम कर दिया है।

**-ओम प्रकाश, बाढ़ पीड़ित**

यमुना का पानी कम होते ही अपने घर गया। जाकर देखा, तो सारा सामान खराब हो चुका था। जो बचा हुआ सामान था उसे हम लोग यहां टेंट में ले आए। जब सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा, तो फिर से घर में लौट जाएंगे।

**- विजय बहादुर, बाढ़ पीड़ित**

## डॉक्टर से 6 लाख की ठगी, सेना का अधिकारी बनकर लगाई थी चपत

**हृदय रोग विशेषज्ञ के साथ ठगी करने वाले साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया**

**नई दिल्ली**
दिल्ली में दक्षिण जिला साइबर पुलिस ने अपोलो अस्पताल के एक वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ के साथ ठगी करने वाले साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फोन पर डाक्टर से संपर्क कर खुद को सेना का अधिकारी बताते हुए 25 सैन्य कर्मियों को 1500 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से चिकित्सा परामर्श देने का अनुरोध किया था। इस दौरान कुछ विडियो काल भी किए और सैनिकों के पूर्व रिकार्डेड वीडियो दिखाकर डाक्टर भरोसा दिलाया और कहा कि पैसों का भुगतान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाएगा। डाक्टर ने बातों में आकर भुगतान के लिए फोन पे की जानकारी साझा कर दी। इसके बाद डाक्टर के पास खाते से पैसे निकलने के मैसेज आने लगे और चार बार में कुल छह लाख 69 हजार 109 रुपये निकाले गए।

## स्कूल में झगड़ा और गाली गलौज के बाद छात्रा पर ब्लेड से हमला

**बारहवीं की छात्रा पर ब्लेड से चेहरे व कमर पर हमला कर दिया**

**नई दिल्ली**
अमन विहार इलाके में स्कूल में हुई गाली गलौज का बदला लेने के लिए एक छात्रा ने अपनी बहन और दो अन्य छात्राओं के साथ मिलकर बारहवीं की छात्रा पर ब्लेड (पेपर कटर) से चेहरे व कमर पर हमला कर दिया। इसमें पीड़िता के चेहरे व कमर पर करीब 50 से अधिक टांके लगे हैं। शुरूआती जांच में पता चला कि हमला करने वाली मुख्य आरोपी

पीड़िता की स्कूल की छात्रा है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि नौ सितंबर को अमन विहार थाना पुलिस को रोहिणी सेक्टर-20 निवासी एक किशोरी पर हमला होने की जानकारी मिली। पीड़िता पर छात्राओं ने ब्लेड से हमला किया था। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित छात्रा अभी बयान देने की हालत में नहीं थी। छानबीन में पता चला कि 14 और दो पंद्रह साल की छात्राओं ने पीड़िता को थप्पड़ मारे, जबकि 16 साल की छात्रा ने उसके चेहरे और कमर पर ब्लेड से हमला कर दिया। पूछताछ में पता चला कि मुख्य आरोपी छात्रा पीड़िता की स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा है। चार नवंबर को पीड़िता और मुख्य आरोपी के बीच स्कूल में झगड़ा हुआ था। उसका बदला लेने के लिए उसने अपनी बहन और अन्य छात्राओं के साथ मिलकर उसपर हमला कर दिया। पीड़िता अपने माता-पिता, एक छोटा भाई और बहन के साथ रोहिणी सेक्टर 20 में रहती है। पीड़िता के चाचा ने बताया कि इसी स्कूल में पढ़ने वाली मुख्य आरोपी छात्रा उसकी भतीजी के साथ गाली गलौज कर रही थी।

## टैंपो चालक को बेहोश कर छह टन कॉपर स्क्रैप लूटे

नई दिल्ली
उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के वजीराबाद रोड पर खुद को बैंककर्मी बताकर कार सवार चार बदमाश छह टन कॉपर स्क्रैप लूट कर भाग गए। आरोप है कि बदमाशों ने जबरन टेंपो में चढ़कर पहले चालक को बेहोशी का इंजेक्शन लगया। फिर टेंपो से सारा माल लेकर भाग गए। बाद में चालक को बेहोशी की हालत में जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, बुराड़ी निवासी मनीष कुमार टेंपो चलाते हैं। सुबह करीब 9 बजे वह लिबासपुर के गोदाम से छह टन कॉपर स्क्रैप लोड करवा कर मंडोली के लिए निकल गए।

## क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा जबरन वसूली करने वाला कुख्यात अपराधी

**नई दिल्ली**
जबरन वसूली के लिए अवैध हथियार रखने वाले एक कुख्यात अपराधी को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से दो पिस्टल और तीन कारतूस बराम किए गए हैं। आरोपी की पहचान मंगोलपुरी के शहजाद उर्फ उवेश के रूप में हुई है, जो आदतन अपराधी है और प्रेम नगर थाने में हत्या के प्रयास और सुल्तानपुरी थाने में जबरन अपहरण के एक मामले में भी शामिल रहा है।

## घर का दरवाजा खटखटाकर चलाई गोली, मामला दर्ज

**नई दिल्ली**
**उत्तर-पूर्वी** दिल्ली के भजनपुरा इलाके में स्कूटी सवार बदमाशों ने घर का दरवाजा खटखटाकर गोली चला दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद मामला दर्ज कर लिया है। शुरूआती जांच में पुलिस आशंका जता रही है कि आपसी रंजिश से वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस को मामले में कुछ सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता गली नंबर-10, भजनपुरा निवासी अर्जुन पेशे से इंजीनियर हैं। मंगलवार रात वह बाहर की ओर बालकनी वाले कमरे में सो रहे थे। देर रात करीब सवा दो बजे किसी ने इनके घर का दरवाजा खटखटाया। स्कूटी सवार दो युवक अर्जुन के भाई किशन को आवाज दे रहे थे। अर्जुन ने जैसे ही बालकनी से झांककर देखा तो एक आरोपी ने ऊपर की ओर गोली चला दी। अर्जुन बच गए।

## किशोरी को देह व्यापार में धकेलने वाले दंपती गिरफ्तार

**नई दिल्ली**
दिल्ली में 14 वर्षीय किशोरी को नौकरी का झांसा देकर वेश्यावृति में धकेलने के मामले में जहांगीरपुरी पुलिस ने एक दंपती समेत एक उसके साथी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने किशोरी को हरियाणा के रोहतक स्थित होटलों में बंधक बनाए रखा, जहां कई लोगों ने पीड़िता से दुष्कर्म किया। जानकारी मिलने पर आरोपितों के खिलाफ यह कार्रवाई की है।

## डॉक्टर की करतूत: गांठ देखने के बहाने छात्रा को गलत तरीके से छुआ

**पुलिस ने जांच के बाद डॉ. इमरान के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज किया**

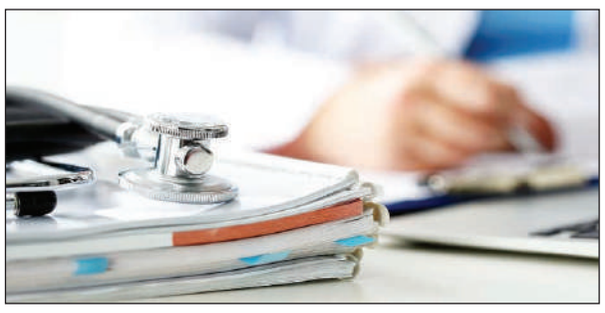

**नई दिल्ली**
उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी स्थित सरकारी अस्पताल में बीटेक की 22 वर्षीय छात्रा ने अस्पताल के डॉक्टर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस ने शुरूआती जांच के बाद डॉ. इमरान के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पिछले कुछ दिनों से छात्रा अपनी छाती में गांठ महसूस कर रही थी। 9 सितंबर को वह अपनी मां के साथ दिखाने अस्पताल गई। ओपीडी में दिखाने के बाद उनको हड्डी विभाग में रेफर कर दिया गया। हड्डी विभाग में महिला डॉक्टर व दो पुरुष डॉक्टर मौजूद थे। महिला डॉक्टर छात्रा को पर्दे के पीछे ले जाकर देखा। छात्रा का परीक्षण करने के बाद डॉक्टर बाहर आ गई।

इस बीच वहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर इमरान पर्दे के अंदर पहुंच गया। छात्रा ने बिना इजाजत के पुरुष डॉक्टर के अंदर आने पर ऐतराज जताया। आरोपी डॉक्टर ने गांठ देखने के बहाने गलत तरीके से छात्रा को छूना शुरू कर दिया। छात्रा ने ऐतराज किया। बाद में आरोपी ने छात्रा से कहा कि वह बेसमेंट में जाकर एक एक्सरे करा ले।

## दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर सबसे तेज गति से चलने वाली ट्रेन होगी 'नमो भारत'

**नई दिल्ली**
**दिल्ली-मेरठ** रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के 55 किलोमीटर लंबे खंड पर 160 किलोमीटर प्रति घंटे की अपनी उच्चतम गति से चलने वाली नमो भारत ट्रेन देश में सबसे तेज चलने वाली ट्रेन बन गई है।

**160 किलोमीटर प्रति घंटे की अपनी उच्चतम गति से चलेगी**
इससे पहले 2016 में शुरू की गई गतिमान एक्सप्रेस देश की पहली सेमी-हाई स्पीड ट्रेन थी, जो हजरत निजामुद्दीन और आगरा के बीच 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती थी। बाद में जब वंदे भारत ट्रेन शुरू की गई, तो वह

भी उसी अधिकतम गति से चलती है।
हालांकि, रेल मंत्रालय ने 24 जून, 2024 को बिना कोई कारण बताए उनकी गति 160 किमी प्रति घंटे से घटाकर 130 किमी प्रति

**160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी, अभी सभी ट्रेनें 130 किमी प्रति घंटे की गति से चलती हैं**

घंटा करने का निर्णय लिया। वर्तमान में रेल नेटवर्क पर सभी ट्रेनें 130 किमी प्रति घंटे की ऊपरी गति सीमा पर चलती हैं।

**छह डिब्बों वाली नमो भारत की तीस ट्रेनों चलेगी**
पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर और उत्तर प्रदेश के मेरठ दक्षिण के बीच चलने वाली छह डिब्बों वाली नमो भारत की तीस ट्रेनों चलेगी। प्रत्येक स्टेशन से 15 मिनट की अंतराल पर चलती हैं और मार्ग के 11 स्टेशनों के बीच कुछ सेकंड के लिए अपनी अधिकतम 160 किमी प्रति घंटे की गति को छू लेती हैं।

**दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होगी ट्रेन**
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रीय परिवहन निगम लिमिटेड (एनसीआरटीसीएल) के अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होकर उत्तर प्रदेश के मोदीपुरम तक 16 स्टेशनों वाला पूरा 82.15 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर जल्द ही चालू होने की संभावना है।

## बिहार कांग्रेस के एआई वीडियो को सिरसा ने बताया शर्मनाक

**प्रधानमंत्री की मां का अपमान करना कांग्रेस की गिरती मानसिकता का शर्मनाक उदाहरण**

**नई दिल्ली**
दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को बिहार कांग्रेस के एआई वीडियो को शर्मनाक बताते हुए उसकी निंदा की है। उन्होंने कहा कि जिस देश में महिलाओं को देवी का दर्जा दिया

जाता है, वहां अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए बार-बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां का अपमान करना कांग्रेस की गिरती मानसिकता का शर्मनाक उदाहरण है।

मंत्री सिरसा ने एक्स पोस्ट में कहा कि गांधी परिवार और कांग्रेस मोदी से नफरत करते-करते इस हद तक गिर गए हैं कि बार-बार उनकी दिवंगत मां का अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस और गांधी परिवार के संस्कार और सोच देखकर हर भारतीय यही कह रहा है- मां का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश देख रहा है किस तरह से इस देश की मातृशक्ति और मातृत्व, कांग्रेस की घटिया राजनीति के निशाने पर है।

संपादकीय

# बिहार में चुनाव पूर्व बढ़ता हिंसा का दौर का है पुराना इतिहास

हाल ही में पटना में आरजेडी नेता की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र के कॉलेज ऑफ कॉमर्स के पास की है। मृतक की पहचान राज कुमार उर्फ आला राय के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार मृतक जमीन कारोबार से भी जुड़ा था। इसके साथ ही वो इस दफा राघोपुर से चुनाव लड़ने की भी तैयारी कर रहा था। इससे पहले उसकी बुधवार की रात में उसकी हत्या कर दी गई। इसी कारण इस हत्या को भी आगामी चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है ।

गौरतलब है कि आज तक बिहार विधानसभा चुनाव का नाम सुनते ही राजनीति की गूंज और जातीय समीकरण की गहराई याद आने के साथ एक और चीज सामने आती है। वह है, चुनावी हिंसा। यहां चुनाव सिर्फ मतपत्र का उत्सव नहीं बल्कि लाशों की लंबी कतार और बंदूक की गूंज भी है। साल 1947 से लेकर आज तक बिहार में शायद ही कोई चुनाव ऐसा बीता हो, जब खून न बहा हो।देश की आजादी के बाद बिहार पहली बार चुनाव 1951-52 में हुए थे। उस समय हिंसक घटनाएं नहीं हुई थीं। बिहार में शांतिपूर्ण चुनाव का दौर 1968 बना रहा है। उसके बाद हर चुनाव में हिंसक घटनाओं के साथ लोगों की हत्याएं हुईं।

बिहार में राजनीतिक हत्या की पहली घटना 1965 में हुई थी। उस समय कांग्रेस से पूर्व विधायक शक्ति कुमार की हत्या कर दी गई थी। विधायक की हत्या के बाद उनका शव तक नहीं मिला था। शक्ति कुमार दक्षिणी गया से विधायक रहे थे। शक्ति कुमार की हत्या के बाद 1972 में भाकपा विधायक मंजूर हसन की हत्या उनके फ्लैट में कर दी गई थी। 1978 में भाकपा के ही सीताराम मीर को भी मार दिया गया। 1984 में कांग्रेस के नगीना सिंह की हत्या हो गई।

टीओईआई के अनुसार बिहार विधानसभा में हिंसक घटनाओं की बात करें तो साल 1969 में पहली बार चुनाव चार लोग मारे गए, 1977 में 28, 1980 में 38, 1985 में 69, 1990 में 67, 1995 में 54, 2000 में 61, फरवरी 2005 में पांच और अक्टूबर-नवंबर 2005 के विधानसभा चुनावों में 27 लोग मारे गए। सबसे ज्यादा लोग 1985 के चुनाव में मारे गए थे।

साल 2005 के बाद चुनाव आयोग की सख्ती के कारण चुनावी बिहार में हिंसक घटनाओं में कमी आई और इनमें मरने वालों की संख्या भी काफी हद तक कम हो गई। फरवरी और अक्टूबर 2005 के चुनाव में 17 मौतें हुई थीं। साल 2010 में 5 लोगों की मौत हुई थी। साल 2015 में किसी की मौत नहीं हुई, जबकि इस चुनाव में बिहारियों के डीएनए तक का मुद्दा उठा था।

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि 1990 और 2004 के बीच कुल नौ चुनावों के दौरान चुनाव संबंधी हिंसा में 641 लोगों की जान चली गई। इसमें से 196 लोगों की मौत केवल 2001 में पंचायत चुनावों के दौरान हुई थी, जो बिहार में 23 साल के लंबे अंतराल के बाद हुए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में कुल 28 लोगों की जान चली गई थी। ये सभी लोग या तो चुनाव के दौरान मारे गए, या चुनाव के दिन ही, या कई मामलों में, यहां तक कि किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव समाप्त होने के बाद भी। कानून व्यवस्था ने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था।

आइए इन आंकड़ों की तुलना 2009 और 2014 के लोकसभा चुनावों और 2005, 2010 और 2015 के विधानसभा चुनावों से करें। उपर्युक्त दो लोकसभा चुनावों में आठ और उपरोक्त तीन विधानसभा चुनावों में कुल सात लोगों की मौत हुई थी। 2015 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में इस तरह की घटनाओं में एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई थी। यह चमत्कारी लगता है, लेकिन एक सच्चाई है।

सैकड़ों अपराध सिर्फ एक उद्देश्य, बूथ लूट के इर्द-गिर्द घूमते थे। यह प्रथा 1927 से चली आ रही है, जब जिला बोर्ड चुनावों के दौरान, बिहार और शायद भारत के चुनावी इतिहास में पहली बार फिर से मतदान का आदेश दिया गया था। हालांकि, इसका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है। और फिर यह नई ऊंचाइयों को छूता चला गया। प्रारंभ में, बूथ लूट कुछ व्यवसाय थी, लेकिन इसका धीरे-धीरे अपराधियों के हाथों में प्रवेश हो गया, जिन्होंने बाद में केवल अपने लॉर्ड्स के लिए काम करने के बजाय चुनाव लड़कर अपनी क्षमता का परीक्षण करना शुरू कर दिया, पहले बदनाम किया और फिर अंत में राजनीतिक संस्थानों के चरित्र को तोड़ दिया।

## भारतीय दिल खतरे में, एक गंभीर चुनौती की टंकार

आधुनिक युग को यदि सुविधाओं और संसाधनों का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी, लेकिन इन सुविधाओं और विलासिताओं की कीमत भी समाज को चुकानी पड़ रही है। मशीनों और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, परंतु इसके साथ ही ऐसी अनेक जीवनशैली-जनित बीमारियों को जन्म दिया है जो पहले दुर्लभ थीं। इन बीमारियों में सबसे बड़ी और भयावह बीमारी है-दिल का रोग। दिल की बीमारियाँ आज विश्व में असमय मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन चुकी हैं और भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल ही में जारी कॉजेज ऑफ डेथ इन इंडिया 2021-23 की रिपोर्ट इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट करती है। पहले जहाँ माना जाता था कि हृदय रोग और दिल के दौरे बुजुर्गों की बीमारी है, वहीं अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में हृदयाघात से होने वाली मौतें तेजी से बढ़ रही हैं। यानी युवाओं में दिल का दौरा अब असामान्य नहीं, बल्कि आम होता जा रहा है। यह न केवल चिकित्सा जगत के लिए चिंता का विषय है बल्कि समाज और परिवार के लिए भी गहरी चिंता का कारण है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में हृदय रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 1.8 करोड़ लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा किसी भी अन्य बीमारी से कहीं अधिक है। अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। इसका अर्थ यह है कि हर चौथा भारतीय हृदयाघात या उससे जुड़ी बीमारी का शिकार होकर अकाल मृत्यु का सामना कर रहा है। शहरी क्षेत्रों में यह दर और भी अधिक है क्योंकि वहाँ तनाव, प्रदूषण, अस्वस्थ भोजन और व्यायाम की कमी का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं ज्यादा है। विशेष चिंता की बात यह है कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक दिल के दौरे 40 वर्ष से कम आयु में आ रहे हैं। यह आंकड़ा अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों से कहीं अधिक है, जहाँ यह दर 10 से 15 प्रतिशत के बीच है। इस तथ्य से स्पष्ट है कि भारतीय युवा पीढ़ी का हृदय पहले से कहीं अधिक असुरक्षित एवं खतरे में है।

नमूना पंजीयन सर्वेक्षण के नए आंकड़े विशेषकर दिल के प्रति सजग रहने की वकालत करते हैं। भारत में सबसे अधिक करीब 31 फीसदी मौतें दिल की बीमारियों के कारण होती हैं। यदि हम यहां पर भारत में मोटापे की राष्ट्रीय स्थिति की बात करें तो भारत में मोटापे की औसत दर लगभग 40.3 प्रतिशत है, जिसमें महिलाओं में यह दर 41.88 प्रतिशत और पुरुषों में 38.67 प्रतिशत है।

# अस्थिरता के दौर से गुजरता नेपाल

**प्रमोद भार्गव**

भारत का पड़ोसी देश नेपाल जबसे कम्युनिस्ट देश बना हैं, तब से चीन के दबाव के चलते यहां लगातार अस्थिरता बनी हुई है। इस बार नेपाल भीशण संकट में है। यह संकट इसलिए बढ़ा, क्योंकि राजशाही खत्म होने के बाद संघीय सरकार से युवाओं को अपेक्षा थी कि देश में राजनीतिक स्थिरता तो कायम होगी ही, सरकारी नौकरियों और अन्य रोजगारों की संभावना भी बढ़ेगी। लेकिन 17 साल के गैर राजतांत्रिक नेपाल में 15 सरकारें तो बदलीं, परंतु हालात नहीं बदले। इसी बीच राजशाही और नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांगे भी उठती रही हैं। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो से जनता को पता चला कि मंत्री और उनके परिजन देश-विदेश में ऐशोआराम की जिंदगी जी रहे हैं। उनके बच्चे विदेशों में अच्छी शिक्षा ले रहे हैं। ब्रांडेड सामान के साथ फाइव स्टार जीवन विदेशों में व्यतीत कर रहे हैं। इस वैभव की पृष्ठभूमि में सरकारी स्तर पर फैले भ्रष्टाचार को मुख्य कारण माना। जबकि गरीब युवा प्रतिदिन तीन हजार से ज्यादा की संख्या में पलायन करने को विवश हो रहे हैं। इस आंदोलन को पहले दक्षिणपंथी करार देने की कोशिशें हुईं, लेकिन वास्तव में यह आक्रोश उस कुंठा के चलते उपजा जो नेताओं और उनके परिजनों के वीडियों में भोग-विलास का जीवन जीते हुए दिखा।



नेपाल में हिंसा और अराजकता इस हद तक फैली कि आंदोलनकारियों ने संसद भवन , प्रधानमंत्री, राश्ट्रपति और मंत्रियों तक के घर जला दिए। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पत्नी को जिंदा जला दिया। देश की सत्ता की इस राख में 22 युवाओं की सेना और पुलिस की गोलाबारी में हुईं मौतों की राख भी मिल गई। इस आंदोलन को सोशल मीडिया के साथ खासतौर से जेन-जी पर पाबंदी माना जा रहा है। हालांकि यह रोक युवाओं का आक्रोश देखने के बाद हटा ली गई थी। जेन-जी यानी जेनरेशन-जेड का बोध कराने वाली वह पीढ़ी है, जिनका जन्म 1997 से लेकर 2012 के बीच हुआ है। यानी वर्तमान में ये आंदोलनकारी किशोर एवं युवा हैं। इस आग में घी डालने का काम सुदन गुरुंग और बालेन शाह ने जेन-जी पर उपस्थित दर्ज कराकर कर दिया। सुदन ओली सरकार के खिलाफ भ्रश्टाचार और परिवारवाद की मुहिम पूर्व से ही चला रहे थे। कुछ नेताओं की बढ़ती संपत्ति के विरुद्ध भी मोर्चा खोले हुए थे। इसी बीच 4 सितंबर को सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया तो राजधानी काठमांडू के महापौर बालेन शाह सक्रिय हो गए। उन्होंने सोशल मीडिया एक्सेस किया और लिखा, ह्यकल की रैली जेन-जी की रैली है। इस रैली में कोई भी पार्टी, नेता, सांसद एवं कार्यकर्ता को निजी लाभ के लिए शामिल होने की जरूरत नहीं है। उम्र के कारण मैं जा नहीं सकता, लेकिन मेरा पूरा समर्थन है।ह्य बालेन के चाहने वाले लाखों में हैं। इस पोस्ट को 20,000 से ज्यादा लोगों ने साझा किया। देखते-देखते आंदोलन की दशा और दिशा तय हो गई और लाखों युवा आंदोलन के लिए काठमांडू की सड़कों पर उतर आए। संसद और राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, प्रधानमंत्री आवास पर पत्थरबाजी की और पूरे शहर में ऐसा तांडव मचाया कि सेना और पुलिस को नियंत्रण के लिए संयुक्त अभियान चलाना पड़ । नेपाल के इतिहास में इसे बड़ी तख्तापलट की घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह का जनआक्रोश फूट चुका है। वहां की सरकारें अपदस्थ हुई हैं।

नेपाल में हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग भी लंबे समय से उठ रही है। वहां अनेक संगठन सड़कों पर उतरकर राजशाही के पक्ष में आंदोलन कर चुके हैं। इस मांग में पुरुशों के साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में षामिल रही हैं। इस मांग को मुख्य रूप से राश्ट्रवादी राश्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी कर रही है। यह नेपाल की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी है। इस दल के प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ की मांग है कि नेपाल में राजशाही की पुनर्बहाली हो और इसे हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। नेपाल को 2007 में पंथनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया था। नतीजतन 2008 में राजशाही व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। 2008 में नेपाल के गणराज्य बनने के बाद से कारोबारी दुर्गा प्रसाई आंदोलन को हवा दे रहे हैं। एक समय प्रसाई के प्रधानमंत्री प्रचंड और ओली के साथ घनिष्ठ संबंध थे, लेकिन बाद में वे दोनों के आलोचक हो गए। इसी समय राजशाही के दौर में गृहमंत्री रहे कमल थापा ने हिंदू राष्ट्र की मांग के लिए नया गठबंधन बना लिया है। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह भी एकाएक सक्रिय होकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे हैं। वह मंदिरों में होने वाली पूजा में शामिल हो रहे हैं।

दरअसल नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी का चीन की गोद में बैठना और भारत विरोधी अभियान चलाना देश की जनता को नागवार गुजर रहा है। नेपाल के मुसलमान भी देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के पक्ष में हैं। समाज के कुछ नेताओं का मानना है कि हिंदू राष्ट्र का दर्जा खत्म होने के बाद से नेपाल में ईसाई मिशनरियां ज्यादा सक्रिय हो गई हैं। मिशनरी इस स्थिति का फायदा उठाकर लोगों का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं। यूसीपीएन माओवादी के मुस्लिम मुक्ति मोर्चा भी मिशनरियों के बढ़ते प्रभाव को स्वीकार नहीं करता है। राष्ट्रवादी मुस्लिम मोर्चा भी देश की धर्मनिरपेक्ष पहचान नहीं चाहता है। 80 फीसद मुस्लिम आबादी देश की हिंदू पहचान बहाल करने के पक्ष में है।

गौरतलब है कि राजनीतिक दलों के बीच नए संविधान में देश की धर्मनिरपेक्षता की पहचान खत्म करने को लेकर सहमति बनी थी। इसके बाद से यह मांग और तेज हो गई है। देश के सभी समुदाओं के लोग मानते हैं कि पुरानी हिंदू पहचान की बहाली का कोई विकल्प नहीं है। धर्मनिरपेक्षता हिंदू-मुस्लिम एकता तोड़ने की साजिश है। दरअसल सात साल पहले दो नेपाली युवकों को बुटवॉल में पुराने राष्ट्रगान को गाने की वजह से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से ही पूरे नेपाल में इस राष्ट्रगान को गाने का सिलसिला चलने के साथ हिंदू राज की पुनर्स्थापना की मांग उठ रही है।

हिमालय की गोद में बसा नेपाल एक छोटा और सुंदर देश है। पूरी दुनिया में नेपाल ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसे आज तक कोई दूसरा देश परतंत्र नहीं बना पाया। इसलिए यहां स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाया जाता। किंतु चीन के लगातार बढ़ रहे हस्तक्षेप के चलते लोगों को लगने लगा है कि कहीं यह हिंदू धर्मावलंबी देश अपनी मौलिक संस्कृति व स्वतंत्रता न खो दे ? नेपाल एक दक्षिण एशियाई देश है। नेपाल के उत्तर में चीन का स्वायत्तशासी प्रदेश तिब्बत है। जिसे चीन निगलता जा रहा है। दक्षिण पूर्व व पश्चिम में भारत की सीमा लगती है। नेपाल की 85.5 प्रतिशत आबादी हिंदू है, इसलिए वह प्रतिशत के आधार पर सबसे बड़ा हिंदू धर्मावलंबी देश है।

नेपाल में लंबे समय तक राजशाही रही है। किंतु राजशाही के खूनी दुखद अंत के बाद यहां माओवादी नेता प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने से सामंतशाही सिमटती चली गई और 18 मई 2006 को राजा के अधिकारों में कटौती कर नेपाल को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित कर माओवादी लोकतंत्र की शुरूआत हो गई। तभी से चीनी हस्तक्षेप के चलते यहां के मूल स्वरूप को बदलने के अलावा भारत के साथ संबंध खराब होने की शुरूआत भी हो गई थी। केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्री रहते हुए चीन के दबाव में न केवल भारत से शत्रुतापूर्ण संबंधों की बुनियाद रखी थी, बल्कि चीनी सेना को खुली छूट देकर अपनी जमीन भी खोना शुरू कर दी। जाहिर है, नेपाल में लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थापना तो हो गई, लेकिन लचर नेतृत्व के चलते यह देश अपना अस्तित्व खोने की कगार पर आ खड़ा हुआ है। इसी चिंता से यह आक्रोश उपजा है।

हमारे पड़ोसी देशों में नेपाल और भूटान ऐसे देश हैं, जिनके साथ हमारे संबंध विश्वास और स्थिरता के रहे हैं। यही वजह है कि भारत और नेपाल के बीच 1950 में हुई सुलह, शांति और दोस्ती की संधि आज भी कायम है। नेपाल और भूटान से जुड़ी 1850 किमी लंबी सीमा रेखा बिना किसी पुख्ता पहरेदारी के खुली है। बावजूद चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरह कोई ठोस विवाद नहीं है। बिना पारपत्र के आवाजाही निरंतर जारी है। करीब 60 लाख नेपाली भारत में काम करके रोजी-रोटी कमा रहे हैं। 3000 नेपाली छात्रों को भारत हर साल छात्रवृत्ति देता है। नेपाल के विदेशी निवेश में भी अब तक का सबसे बड़ा 47 प्रतिशत हिस्सा भारत का है। बावजूद यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेपाल का झुकाव चीन की ओर बढ़ता जा रहा है। हालांकि नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2014 में नेपाल की यात्रा करके बिगड़ते संबंधों को आत्मीय बनाने की सार्थक पहल की थी, किंतु भारतीय मूल के मधेषियों के आंदोलन ने इस पर पानी फेर दिया था।

नेपाल और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों के तहत ऐतिहासिक पारगमन व्यापार समझौते समेत 10 समझौतों की शुरूआत करके नेपाल ने चीन से रिश्ते मजबूत कर लिए हैं। चीन और नेपाल के बीच तिब्बत के रास्ते रेलमार्ग बनाने पर भी संधि हुई है। चीन ने काठमांडू से करीब 200 किमी दूर पोखरा में क्षेत्रीय हवाई अड्डा निर्माण के लिए नेपाल को 21000 डॉलर का सस्ती ब्याज दर पर ऋण दिया है। मुक्त व्यापार समझौते पर भी हस्ताक्षर हुए हैं। नेपाल में तेल और गैस की खोज करने पर भी चीन सहमत हुआ है।

# कुपोषण का बदलता स्वरूप: मोटापे की चुनौती

**!सुनील कुमार महला**

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की हालिया एक रिपोर्ट के अनुसार, अब दुनिया भर में बच्चों और किशोरों में कम वजन (कुपोषण) की तुलना में मोटापे की समस्या अधिक गंभीर हो गई है। यह पहली बार हुआ है, जब मोटापा कुपोषण के सबसे सामान्य रूप के रूप में उभरा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 5 से 19 वर्ष की आयु के लगभग 188 मिलियन बच्चे और किशोर मोटापे से ग्रस्त हैं, जो वैश्विक स्तर पर लगभग 10% हैं। यह आंकड़ा वर्ष 2000 में 3% था। दरअसल,यूनिसेफ ने साल 2020 से 2022 तक के आकड़ों को पेश करते हुए वर्तमान हालात और वर्ष 2035 तक मोटापे को संभावित चुनौती बताते हुए चिंता जताई है। ऐसा पहली बार हुआ है जब मोटापा, कम वजन की समस्या से आगे निकल गया। वास्तव में, मोटापे के कारण टाइप-2 डायबिटीज, हृदय रोग और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यूनिसेफ के अनुसार, बच्चों में मोटापे की वृद्धि के प्रमुख कारणों में क्रमशः अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स (यूपीएफज) का बढ़ता सेवन,स्वास्थ्यवर्धक खाद्य विकल्पों की कमी तथा कमजोर नियामक नीतियों को बताया गया है। वास्तव में, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स खाद्य पदार्थ सस्ते, उच्च कैलोरी वाले और आक्रामक रूप से विपणन किए जाते हैं, जो पारंपरिक पोषक तत्वों से भरपूर आहारों की जगह ले रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आज पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और सस्ती कीमतों की कमी है। वहीं दूसरी ओर खाद्य विपणन पर प्रभावी प्रतिबंधों का अभाव है और यही कारण भी है कि बच्चों में मोटापे की समस्या जन्म ले रही है। मोटापा बच्चों के शारीरिक विकास, मानसिक कल्याण और संज्ञानात्मक विकास(कोगनेटिव डेवलपमेंट) को भी प्रभावित कर सकता है। हमारे देश की यदि हम यहां पर बात करें तो हमारे देश में भी बच्चों में मोटापे की समस्या बढ़ रही है। हाल ही में एक अध्ययन में पाया गया कि वर्ष 2022 में भारत में 5 से 19 वर्ष की आयु के लगभग 1.25 करोड़ बच्चे मोटापे का शिकार हुए। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों में मोटापे का खतरा बढ़ाने वाले जीन का पता चला है, जो उनके खान-पान को प्रभावित करते हैं। इस क्रम में यूनिसेफ ने सरकारों और अभिभावकों से क्रमशः स्वस्थ खाद्य पर्यावरण का निर्माण जैसे कि स्वस्थ आहार विकल्पों की उपलब्धता और



सस्ती कीमतों को सुनिश्चित करना, खाद्य विपणन पर प्रतिबंध विशेषकर बच्चों के लिए अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के विपणन पर प्रभावी प्रतिबंध लागू करने के साथ ही साथ शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने जैसे कदम उठाए जाने की अपील की है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में बच्चों और अभिभावकों को स्वस्थ आहार और जीवनशैली के महत्व के बारे में जागरूक करना बहुत ही महत्वपूर्ण और जरूरी हो गया है। स्वस्थ खान-पान और जीवनशैली से ही इस दिशा में फायदा हो सकता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के शहरी क्षेत्रों में आज के समय में, बच्चों और किशोरों में मोटापा बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले दिनों लाल किले से मोटापे को आने वाले समय का बड़ा संकट बताते हुए अपनी चिंता जाहिर की थी।सच तो यह है कि आज हमारी युवा पीढ़ी अपने खान-पान के प्रति सजग और जागरूक नहीं है। मोटे अनाज का सेवन आज जैसे धीरे धीरे गायब सा हो गया है। पहले के जमाने में हमारे बुजुर्ग व युवा पीढ़ी भी मोटे अनाज, फल-सब्जियों का बहुतायत में प्रयोग करती थी। देसी खान-पान से स्वास्थ्य अच्छा रहता था लेकिन आज की जिंदगी भागम-भाग भरी जिंदगी हो गई है और आज के आधुनिक जीवन में जंक फूड, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड और मीठे पेय पदार्थों का सेवन तेजी से बढ़ रहा है। शहरों ही नहीं गांवों में भी आज जंक फूड,फास्ट फूड प्रयोग होने लगे हैं और एक बड़ा बदलाव गांव की खान-पान संस्कृति में आया है।जंक फूड और फास्ट फूड में (इन खाद्य पदार्थों में) अधिक मात्रा में शर्करा, नमक, वसा और कृत्रिम स्वाद बढ़ाने वाले तत्व पाए जाते हैं, जबकि इनमें आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है। लगातार ऐसे भोजन का सेवन करने से शरीर में अतिरिक्त कैलोरी(एक्स्ट्रा कैलोरी) जमा होती है, जिससे मोटापा, टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फैटी लिवर और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। बच्चों और युवाओं में यह आदत विशेष रूप से चिंता का विषय इसलिए है, क्योंकि यह उनकी बढ़ती उम्र में सही पोषण प्राप्त करने की क्षमता को कहीं न कहीं अवश्य ही प्रभावित करती है। इसलिए संतुलित आहार(मोटे अनाज), प्राकृतिक खाद्य पदार्थों, ताजे फल, सब्जियों और पर्याप्त पानी का सेवन स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक है। परिवार, विद्यालय और समाज को मिलकर इस संबंध में जागरूकता फैलानी चाहिए ताकि स्वस्थ जीवनशैली अपनाई जा सके और विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचा जा सके। आज के समय में जंक फूड, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड और मीठे पेय पदार्थों की खपत तेजी से बढ़ रही है। गांव भी इससे अछूते नहीं रह गये हैं। वास्तव में यह जीवनशैली में बदलाव, शहरीकरण, और उपभोक्ता आदतों में परिवर्तन का ही परिणाम है। हिमाचल प्रदेश के एक अध्ययन में पाया गया कि 36% ग्रामीण बच्चों ने पिछले 24 घंटों में जंक फूड का सेवन किया। इनमें से अधिकांश ने चिप्स, चॉकलेट, बेकरी उत्पाद, सॉफ्ट ड्रिंक्स और शक्करयुक्त पेय का सेवन किया। महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पांच राज्यों में किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मिलेट्स के सेवन में रुचि बढ़ रही है, लेकिन स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता कम है। इससे संकेत मिलता है कि पारंपरिक आहार से हटकर अन्य खाद्य पदार्थों की ओर रुझान बढ़ रहा है।समय के साथ आज उपभोक्ता आदतों में आमूलचूल परिवर्तन आएं हैं।एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक के अनुसार साल 2025 में, ग्रामीण क्षेत्रों में किफायती प्रीमियम एफएमसीजी उत्पादों की खपत शहरी क्षेत्रों को पार कर गई, जो उपभोक्ता प्राथमिकताओं में बदलाव को दशार्ता है। रिपोर्टों के अनुसार, भारत में 38% लोग तले हुए स्नैक्स और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं, जबकि केवल 28% लोग सभी पांच अनुशंसित खाद्य समूहों का सेवन करते हैं।एक अध्ययन में पाया गया कि 9.7% से 13.9% तक बच्चों में मोटापे की दर बढ़ी है, जो जंक फूड की अधिक खपत से जुड़ा है। इतना ही नहीं, एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि जिन माताओं का जंक फूड सेवन अधिक था, उनके बच्चों में मोटापे की संभावना भी अधिक थी।भारत में 28.6% लोग मोटापे से ग्रस्त हैं, 15.3% में प्रीडायबिटीज है, और 35.5% में उच्च रक्तचाप है, जो बढ़ती जंक फूड खपत से जुड़े हैं। आज हमारे देश के बच्चे लगातार जंक फूड और फास्ट फूड की ओर आकर्षित हो रहे हैं और इसके लिए आक्रामक डिजिटल और टीवी विज्ञापन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार हैं।समय के साथ बच्चों की शारीरिक गतिविधियों में भी अभूतपूर्व कमी देखने को मिली है। आज बच्चे स्क्रीन से चिपके रहते हैं और खेल के मैदानों की ओर उनका रूझान धीरे धीरे बहुत कम होता चला जा रहा है। पढ़ाई में बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी एक बड़ा कारण है। हाल ही में यूनिसेफ की जो रिपोर्ट आई है उसके अनुसार दुनिया में साल 2000 में 5 से 19 साल के बच्चों में केवल 3% मोटे थे जबकि 13% कम वजन वाले थे। वहीं पर साल 2022 तक मोटापा बढ़कर 9.4% हो गया, वहीं कम वजन घटकर 9.2% रह गया।यह बहुत गंभीर और संवेदनशील है कि आज दुनिया के करीब 188 मिलियन यानी हर 10 में से 1 बच्चा या किशोर मोटापे से ग्रसित है। उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया को छोड़कर लगभग सभी क्षेत्रों में मोटापे के मामले अधिक हैं। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2035 तक मोटापा से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सालाना 4 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का बोझ बढ़ेगा। मोटापे की समस्या से बचने के लिए घर का ताजा और पौष्टिक भोजन खाना चाहिए और जंक फूड, तला-भुना, पैकेट बंद और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन कम करना चाहिए।फल, सब्जियाँ, दालें, अनाज, मेवे, बीज आदि का नियमित सेवन बहुत जरूरी है। मीठे पेय पदार्थों और शक्कर की अधिकता से बचना चाहिए।

## ग्रामीण साक्षरता: जमीनी स्वयंसेवक साक्षरता को कैसे बढ़ा सकते हैं

**विजय गर्ग**

ग्रामीण भारत में, साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता से अधिक है, जो आजीवन सीखने और आजीविका की नींव प्रदान करती है। फिर भी, दशकों की प्रगति के बावजूद, अल्पविकसित समुदायों में बड़ी संख्या में बच्चे मूलभूत पढ़ने के कौशल के साथ संघर्ष करना जारी रखते हैं। सही उम्र में धाराप्रवाह पढ़ने में असमर्थता न केवल अकादमिक प्रदर्शन को बाधित करती है, बल्कि जीवन में बाद में अवसरों के लिए दरवाजे भी बंद कर देती है, उच्च शिक्षा से लेकर सम्मानजनक रोजगार तक।

अकेले स्कूल इस अंतर को पाट नहीं सकते। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर कम-से-कम, एक एकल शिक्षक को विभिन्न पढ़ने के स्तर पर, 30-40 बच्चों के कई ग्रेड या कक्षाओं को संभालने के साथ काम किया जा सकता है। पाठ्यक्रम को पूरा करने का दबाव व्यक्तिगत ध्यान के लिए बहुत कम जगह छोड़ देता है। नतीजतन, कई बच्चों को बुनियादी साक्षरता में महारत हासिल किए बिना साल-दर-साल पदोन्नत किया जाता है, जिससे सीखने की कमी पैदा होती है जो केवल समय के साथ चौड़ी होती है।

एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है जो समुदायों को जुटाता है, पुस्तकों तक पहुंच को मजबूत करता है, और जमीन से पढ़ने की संस्कृति का पोषण करता है।

यहां, जमीनी स्वयंसेवक एक अमूल्य भूमिका निभा सकते हैं। स्थानीय युवा, महिलाएं या सेवानिवृत्त शिक्षक अपने समुदायों के भीतर चैंपियन पढ़ने के रूप में आगे बढ़ सकते हैं।

वे न केवल पढ़ने के सत्रों का नेतृत्व करते हैं और बच्चों को कहानियों का पता लगाने के लिए प्रेरित करते हैं, बल्कि व्यक्तिगत सहायता भी प्रदान करते हैं जो कक्षाएं अक्सर नहीं कर सकती हैं। स्वयंसेवक अपने पढ़ने के स्तर के अनुसार बच्चों को समूहीकृत करके, केंद्रित इनपुट देकर, प्रगति की निगरानी और सहकर्मी सीखने को बढ़ावा देकर अंतर को पालते हैं। यह अनुरूप दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा पीछे न रहे और प्रत्येक छात्र अपनी गति से पढ़ने के कौशल को मजबूत कर सके।

प्रथम द्वारा वार्षिक शिक्षा रिपोर्ट (अरएफ) 2024 में इस कार्य की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला गया है, जिससे पता चलता है कि प्रगति के बावजूद, ग्रामीण सीखने में लगातार अंतराल बने हुए हैं। उदाहरण के लिए, कक्षा ककक के सरकारी स्कूली बच्चों की कक्षा कक-स्तरीय पाठ पढ़ने में सक्षम हिस्सेदारी 2022 में 16.3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 23.4 प्रतिशत हो गई, अरएफ शुरू होने के बाद से उच्चतम स्तर।

कक्षा श के छात्रों में, पढ़ना प्रवाह एक ही अवधि में 38.5 प्रतिशत से बढ़कर 44.8 प्रतिशत हो गया। ये आंकड़े इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि मूलभूत साक्षरता में सुधार हो रहा है, लेकिन बच्चों के बड़े वर्ग में अभी भी ग्रेड-स्तर के कौशल की कमी है, जो समुदाय-संचालित, स्वयंसेवक के नेतृत्व वाले पठन हस्तक्षेपों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। पुस्तकों तक पहुंच एक और महत्वपूर्ण एनबलर है। उम्र-उपयुक्त और आकर्षक सामग्री के साथ स्टॉक किए गए छोटे, स्कूल या समुदाय-आधारित पुस्तकालय कक्षा के बाहर पढ़ने की आदत बनाने में मदद करते हैं।

जब बच्चे उन कहानियों के संपर्क में आते हैं जो उनकी वास्तविकताओं को दशार्ती हैं या उनकी कल्पना को चिंगारी देती हैं, तो पढ़ने का आनंद आत्मनिर्भर हो जाता है। महाराष्ट्र के चंद्रपुर के आसपास के गांवों के साक्ष्य, जो संभव है उसकी झलक प्रदान करते हैं। एक ग्रामीण रीडिंग प्रमोशन प्रोग्राम, जिसे 2019 में लॉन्च किया गया था और 2022-2024 के बीच मूल्यांकन किया गया था, ने सभी ग्रेड में पढ़ने में लगातार ऊपर की ओर रुझान का खुलासा किया, सामुदायिक स्वयंसेवकों को ह्यपुष्तक परियोंह्ण कहा जाता है।

दो कारक सबसे दृढ़ता से सुधार से जुड़े के रूप में उभरेः पढ़ने के सत्रों की संख्या में भाग लिया और पुस्तकों की संख्या पढ़ी । जो छात्र एक वर्ष से अधिक समय तक कार्यक्रम में रहे, उन्होंने न केवल तेजी से सुधार किया, बल्कि अपने साथियों की तुलना में उच्च पढ़ने के स्तर पर बाद के शैक्षणिक वर्षों की शुरूआत की, इस तथ्य का प्रदर्शन किया कि समुदाय समर्थित साक्षरता कार्यक्रम एक शानदार प्रभाव पैदा करते हैं। एक बार जब एक बच्चा पढ़ने में आत्मविश्वास बनाता है, तो अन्य विषयों के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता में भी सुधार होता है।

## आईएईए के साथ फिर सहयोग के लिये तैयार ईरान

एजेंसी

**तेहरान।** ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी-इज़रायली हमलों के मद्देनज़र जुलाई में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ सहयोग निलंबित करने के बाद संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था के निरीक्षकों को देश में वापस आने की अनुमति देने पर विचार करने का फैसला किया है। यह घोषणा ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची और आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने मिस्र की राजधानी काहिरा में एक संवाददाता सम्मेलन में की। तेहरान टाइम्स में एक रिपोर्ट के मुताबिक अराग्ची ने कहा कि यह निर्णय ईरान की ज़िम्मेदारी की भावना को दर्शाता है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र एजेंसी से इस बार ईरान पर राजनीतिक रूप से आरोप लगाने से बचने का आग्रह किया।ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिकी-इज़रायली हमले आईएईए की ईरान की परमाणु गतिविधियों से संबंधित एक रिपोर्ट जारी करने के एक दिन बाद हुए थे जिसके बाद ईरान की संसद ने आईएईए के साथ सहयोग निलंबित करने वाले विधेयक को पारित किया था। अराग्ची ने कहा कि सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वय में ग्रॉसी के साथ उनके द्वारा हस्ताक्षरित समझौता इस सिद्धांत का पालन करता है। हालाँकि उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि यदि ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त दबाव डाला गया तो वह नए ढाँचे को लागू करना बंद कर देगा।

## नेपाल में जेन ज़ी प्रदर्शनों में मरने वाली संख्या 34 हुई , 1368 घायल

**काठमांडू।** नेपाल में सत्ताधारी नेताओं के खिलाफ हाल ही में जेनरेशन जेड के हिंसक प्रदर्शनों में देशभर में मरने वालों की संख्या 34 हो गयी है जबकि इन प्रदर्शनों में 1368 लोग घायल हुए हैं। नेपाल के समाचारपत्र दि हिमालयन टाइम्स ने देश के स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय के हवाले से आज यह खबर दी। मंत्रालय के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश बुढ़ाथोकी ने बताया कि समूचे देश में इन हिंसक प्रदर्शनों में कम से कम 34 लोगों की मौत हुई है और 1368 लोग घायल हुए हैं। हालांकि ज़्यादातर घायलों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि अब तक कुल 949 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। इस बीच देश के कई क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन जारी रहने की सूचनाओं के कारण स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय के अधिकारी अस्पतालों पर नज़र रख रहे हैं और सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

## रूस ने पोलैंड से बेलारूस के साथ सीमा बंद करने के फैसले पर पुनर्विचार का आह्वान किया

**मास्को।** रूस ने पोलैंड से बेलारूस के साथ सीमा बंद करने के अपने फैसले पर जल्द से जल्द पुनर्विचार करने का आह्वान किया है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पोलैंड की कार्रवाई का उद्देश्य यूरोप के मध्य में तनाव को और बढ़ाने की नीति को उचित ठहराना है। उन्होंने कहा, पोलैंड की एकतरफा कार्रवाई से उसके उन अंतरराष्ट्रीय साझेदारों को गंभीर नुकसान होगा जो पोलैंड-बेलारूसी सीमा का इस्तेमाल व्यापारिक आदान-प्रदान के लिए करते हैं। पौलेंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने मंगलवार को कहा कि उनका देश बेहद आक्रामक रूस-बेलारूस सैन्य अभ्यास ज़ापद-2025 के सिलसिले में गुरुवार आधी रात से बेलारूस के साथ अपनी सीमा पूरी तरह से बंद कर देगा। सुश्री ज़खारोवा ने ज़ोर देकर कहा कि ये अभ्यास नियमित रूप से उचित सार्वजनिक कवरेज के साथ आयोजित किए जाते हैं और पोलैंड सहित यूरोपीय सुरक्षा और सहयोग संगठन के सभी भागीदार देशों के प्रतिनिधियों को अभ्यास देखने के लिए आमंत्रित किया गया था बेलारूस विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को पोलैंड के प्रभारी राजदूत को तलब किया और पोलैंड के इस फैसले पर मौखिक विरोध दर्ज कराया।

## गाजा जा रहे जहाज में आग की घटना सुनियोजित हमला थाः ट्यूनीशिया

**ट्यूनिस।** ट्यूनीशिया ने गाजा जाने के दौरान 'फैमिली' जहाज में लगी आग की घटना को सुनियोजित हमला बताया है। ट्यूनीशिया के गृह मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि वह इस घटना की जाच शुरू कर रहा है। ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला के सबसे बड़े जहाज 'फैमिली' में तड़के आग लग गयी थी। इस हादके के समय जहाज सिदी बू सैद बंदरगाह पर खड़ा था। ट्यूनीशियाई अधिकारियों की ओर पहले जारी बयान में कहा गया था कि आग लाइफ जैकेट के ढेर में लगी थी और जल्दी ही उस पर काबू पा लिया गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और केवल मामूली क्षति हुई है। फ्लोटिला के अधिकारियों ने कहा कि पुर्तगाली ध्वज वाले जहाज पर एक ड्रोन ने हमला किया था ताकि मिशन को विफल किया जा सके।

उधर, फ्लोटिला ने बुधवार को कहा कि उसकी एक और जहाज ब्रिटिश ध्वज वाली 'अल्मा' पर भी मंगलवार को एक ड्रोन ने हमला किया, जिससे उसका ऊपरी डेक क्षतिग्रस्त हो गया। समूह ने कहा कि आग बुझा दी गयी है और कोई हताहत नहीं हुआ है। ग्लोबल सुमुद फ़्लोटिला 31 अगस्त को बार्सिलोना से रवाना हुआ था और अधिकारियों ने कहा कि 1,000 से ज़्यादा कर्मचारी उस अभियान में हिस्सा लेंगे जिसे वे गाज़ा पर इज़रायल की नाकाबंदी के लिए अब तक की सबसे बड़ी समुद्री चुनौती कहते हैं। इससे पहले जून में इज़रायली बलों ने एक और जहाज, मैडलीन, को रोका था, जिसमें 12 लोग सवार थे, जिन्होंने नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश की थी। स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थुनबर्ग और ब्राज़ीलियाई मानवाधिकार अधिवक्ता थियागो अविला सहित इन कार्यकर्ताओं को इज़रायल के सबसे बड़े बंदरगाह, अशदोद ले जाने के बाद निर्वासित कर दिया गया था।

# दक्षिण कोरिया ने कोरियाई युद्ध में मारे गए 30 चीनी सैनिकों के अवशेष लौटाए

एजेंसी

**सोल।** दक्षिण कोरिया ने कोरियाई युद्ध में मारे गए 30 चीनी सैनिकों के अवशेष शुक्रवार को बीजिंग भेज दिए। 1950-53 के मध्य दक्षिण-उत्तर कोरिया की जंग में चीनी सैनिक मारे गए थे। वे कोरियाई युद्ध के दौरान उत्तर कोरिया के साथ लड़ते हुए मारे गए थे। दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अवशेषों के साथ-साथ उनके 267 सामान भी सोल के पश्चिम में इंचियोन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चीन के पूर्व सैनिक मामलों के अधिकारियों को सौंप दिए गए। दक्षिण कोरिया ने 2014 से अब तक चीनी सैनिकों के कुल 1,011 अवशेष लौटाए हैं। मंत्रालय ने युद्ध स्थल पर खुदाई करके इन्हें जुटाया था। इस वर्ष, मंत्रालय ने लगातार दूसरे वर्ष चीनी सैनिकों के अवशेषों की वापसी समारोह में भाग नहीं

लिया, क्योंकि कोरियाई युद्ध के दौरान चीन ने उत्तर कोरिया के साथ मिलकर दक्षिण कोरिया और संयुक्त राष्ट्र सैनिकों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम इसलिए भी उठाया गया क्योंकि माना जाता है कि चीन ने अपने प्रचार के लिए अवशेषों की वापसी को नायकों की वापसी के रूप में प्रचारित किया था। रक्षा मंत्रालय ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह स्वदेश वापसी दक्षिण कोरिया और चीन के बीच मैत्रीपूर्ण सहयोगात्मक संबंधों को मजबूत करने में योगदान देगी। यह पहली बार नहीं था। 2022 में, दक्षिण कोरिया ने कोरियाई युद्ध के दौरान मारे गए 88 चीनी सैनिकों के अवशेष स्वदेश भेजे थे। चीनी सैनिकों के अवशेषों से भरे लकड़ी के ताबूत सोल के पास इंचियोन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक भव्य समारोह में चीन को सौंपे गए। इसी तरह, 2020 में, 1950-53 के कोरियाई युद्ध में मारे गए 117 चीनी सैनिकों के अवशेष वापस भेजे गए। 2014 में, सोल ने मैत्री का हाथ बढ़ाते हुए चीनी सैनिकों के अवशेषों को स्वदेश भेजने का संकल्प लिया था। 2014 और 2021 के बीच कुल 825 चीनी सैनिकों के अवशेष स्वदेश भेजे गए। कोरियाई युद्ध 25 जून 1950 को शुरू हुआ और 27 जुलाई 1953 को एक युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर के बाद समाप्त हुआ।

## दक्षिण सूडान के उपराष्ट्रपति मचार पर देशद्रोह और हत्या का मुकदमा

एजेंसी

**नैरोबी।** दक्षिण सूडान के प्रथम उपराष्ट्रपति रीक मचार पर हत्या, देशद्रोह और मानवता के खिलाफ अपराध का मामला दर्ज किया गया है। उन पर मार्च में संघीय बलों पर हुए हमलों में शामिल व्हाइट आर्मी मिलिशिया से संबंध रखने का आरोप है।

यह जानकारी देश के न्याय मंत्री जोसेफ गेंग ने दी। यह मामला राष्ट्रपति साल्वा कीर और मचार के गुटों के बीच पुराने राजनीतिक विवाद को और भड़का सकता है। दोनों पक्ष 2013 से 2018 के बीच हुए गृहयुद्ध में आमने-सामने थे, जिसमें करीब 4 लाख लोगों की जान गई थी। मचार को मार्च से ही नजरबंद रखा गया है।न्याय मंत्री ने बताया कि सबूतों से पता चलता है कि व्हाइट आर्मी मचार और उनके सहयोगियों के प्रभाव में काम कर रही थी। हालांकि उन्होंने कहा कि यह मामला अब न्यायालय के विचाराधीन है और इस पर सार्वजनिक टिप्पणी सीमित की जाएगी। मचार को शांति समझौते के तहत उपराष्ट्रपति पद पर बहाल किया गया था, लेकिन राष्ट्रपति साल्वा कीर और उनके बीच तालमेल लगातार कमजोर रहा है। देश में समय-समय पर हिंसा भड़कने की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इस मामले में मचार के साथ पूर्व पेट्रोलियम मंत्री पूट कांग चोल सहित 20 लोगों पर अभियोग लगाया गया है। इनमें से 13 अभी फरार बताए जा रहे हैं। स्थानीय संगठनों ने अपील की है कि मुकदमा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चलाया जाए, ताकि यह 'कंगारू कोर्ट' साबित न हो।

# 'देश में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है', कांग्रेस सदस्य ने चार्ली किर्क की हत्या की निंदा की

एजेंसी

**वाशिंगटन ।** यूटा के एक विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान रूढ़िवादी विचारक और कार्यकर्ता चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या के एक दिन बाद, अमेरिकी कांग्रेस सदस्य डेबोरा रॉस ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि हमारे देश में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। वाशिंगटन म से बातचीत के दौरान उत्तरी कैरोलिना से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि रॉस ने कहा कि एक निर्वाचित अधिकारी के रूप में उन्हें और कांग्रेस में उनके सहयोगियों को राजनीतिक बयानबाजी को कम करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने एक साल से अधिक समय पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हत्या का प्रयास किया था। हमने मिनेसोटा के विधायकों की हत्या भी देखी। हमें, निर्वाचित अधिकारियों को इस उत्तेजक भाषण को कम करने और अमेरिकी लोगों के लिए बेहतर उदाहरण स्थापित करने की जिम्मेदारी लेनी होगी। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति भी शामिल हैं, जिन्होंने कई बार हिंसा का समर्थन किया है। इस बीच, हत्यारे को

गिरफ्तार करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस को 200 से ज्यादा सुराग मिले हैं और वे कई लीड्स की जांच कर रहे हैं। जांचकर्ताओं ने कैंपस के पास जंगल वाले इलाके से एक राइफल, हथेली का निशान और जूते का प्रिंट बरामद किया है। एफबीआई ने संदिग्ध की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी के लिए 1 लाख डॉलर का इनाम घोषित किया है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अधिकारी बड़ी प्रगति कर रहे हैं। इससे पहले ट्रंप ने दिन में घोषणा की थी कि किर्क को मरणोपरांत राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। 31 वर्षीय किर्क बुधवार को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक कैंपस कार्यक्रम में भाषण दे रहे थे, तभी अचानक गोली चली। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई।

## अमेरिका ने ग्रीस से ऊर्जा सहयोग बढ़ाने का दिया संकेत, रूस पर दबाव बनाने की रणनीति

एजेंसी

**एथेंस।** अमेरिकी आंतरिक मंत्री डग बर्गम ने एथेंस दौरे के दौरान कहा कि अमेरिका ग्रीस के साथ ऊर्जा संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। ट्रंप प्रशासन का लक्ष्य यूरोप की रूस पर ऊर्जा निर्भरता को और कम करना है। बर्गम इस सप्ताह यूरोप में ऊर्जा आपूर्ति समझौतों को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। बुधार को ग्रीस ने घोषणा की थी कि तेल कंपनी शेवरॉन समेत एक कंसोर्टियम ने उसके समुद्री क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की खोज के लिए बोली लगाई है।

ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यिरियाकोस मिट्सोटाकिस से मुलाकात में बर्गम ने कहा, अमेरिका का मकसद अपने मित्रों और सहयोगियों को ऊर्जा उपलब्ध कराना है ताकि उन्हें हमारे विरोधियों से खरीदने की जरूरत न पड़े। अमेरिका पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि रूसी गैस को अमेरिकी गैस से प्रतिस्थापित किया जाए। यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से रूसी कच्चे तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाकर 90 प्रतिशत आयात घटा दिया है। हालांकि हंगरी और स्लोवाकिया अब भी पाइपलाइन से आयात कर रहे

हैं। 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले से पहले यूरोप अपनी 45 प्रतिशत गैस रूस से लेता था, जो अब घटकर लगभग 13 प्रतिशत रह गया है।बर्गम ने रेविथुसा स्थित एलएनजी टर्मिनल का दौरा किया, जहां नियमित रूप से अमेरिकी गैस की खेपें पहुंच रही हैं। ग्रीस ने इस साल की पहली छमाही में अमेरिका से एलएनजी आयात 95 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। उधर, क्रेते के दक्षिण में स्थित समुद्री क्षेत्रों में खोज की अमेरिकी रुचि को ग्रीस अपनी संप्रभुता के समर्थन के रूप में देख रहा है। प्रधानमंत्री मिट्सोटाकिस ने कहा, आपका दौरा ठीक उस समय हो रहा है जब शेवरॉन ने क्रेते के दक्षिणी इलाकों में खोज के लिए रुचि जताई है, जो हमारे संप्रभु अधिकारों की पुष्टि करता है।

# नेपाल में सुशीला कार्की के हाथों में सत्ता की 'कमान', अंतरिम सरकार की तैयारी तेज

एजेंसी

**काठमांडू ।** नेपाल में जेन-जी के आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से लेकर कई मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ युवाओं का देशव्यापी विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाने की तैयारी चल रही है। शुक्रवार दोपहर तक नियुक्ति की औपचारिकता हो सकती है, जिसे बढ़ते जन असंतोष के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है। नेपाल के राष्ट्रपति कार्यालय 'शीतल निवास' ने अपने कर्मचारियों को नए अंतरिम प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को भी इसी तरह के निर्देश जारी किए गए हैं, जिसमें उन्हें राजनीतिक सहमति बनने के बाद आधिकारिक परिवर्तन के लिए तैयार रहने को कहा गया है। जैसे ही देश की प्रमुख पार्टियां और राष्ट्रपति अंतरिम सरकार

का नेतृत्व सुशीला कार्की के हाथों में सौंपने पर औपचारिक सहमति बना लेते हैं, वैसे ही मंत्रालय को संबंधित व्यवस्थाएं शुरू करने का निर्देश दिया गया है। सुशीला कार्की एक प्रतिष्ठित न्यायविद और नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश हैं। उनकी छवि एक निष्पक्ष व्यक्ति के रूप में है, जो इस अस्थिर दौर में विश्वसनीयता और स्थिरता बहाल करने में सक्षम हो सकती हैं। कई दिनों की राजनीतिक उथल-पुथल के बाद जनता के बड़े धड़े ने सुशीला कार्की के हाथ देश के अंतरिम नेतृत्व को सौंपने की मांग की है। इससे पहले, नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के पूर्व प्रमुख कुलमन घीसिंग को भी एक संभावित उम्मीदवार माना जा रहा था। घीसिंग को व्यापक सुधारों के माध्यम से बिजली की कमी को समाप्त करने के लिए सराहा जाता है। यह राजनीतिक परिवर्तन सोमवार से पूरे देश में चल रहे व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के बीच हो रहा है। नेपाल में फैली हालिया अशांति और जेन-जी का आंदोलन सोशल मीडिया पर बैन के सरकार के फैसले का परिणाम है। युवाओं ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए सरकार के खिलाफ हल्ला बोल दिया। काठमांडू में शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन और सुरक्षा बलों से झड़प में अब तक 34 लोगों की जान चली गई है। देखते ही देखते जेन-जी का गुस्सा पोखरा, बुटवल और बीरगंज जैसे शहरों में फैल गया।

## यूटा में कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट चार्ली कर्क की हत्याः एफबीआई को हथियार मिला

एजेंसी

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई को वह हथियार मिल गया है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि उसी से कंजर्वेटिव कार्यकर्ता चार्ली कर्क की हत्या की गई थी। यह हथियार यूटा वैली यूनिवर्सिटी के पास एक जंगलनुमा इलाके से बरामद किया गया, जहां हमलावर घटना के बाद भागा था। एफबीआई के सॉल्ट लेक सिटी फील्ड ऑफिस के प्रमुख रॉबर्ट बोल्स ने जानकारी दी कि जब्त की गई राइफल एक हाई-पावर बोल्ट-एक्शन मॉडल है। जांच टीम ने मौके से जूतों के निशान और हथेली के प्रिंट समेत अन्य सबूत भी इकट्ठे किए हैं। फिलहाल हथियार को डीएनए और फिंगरप्रिंट जांच के लिए

लैब भेजा गया है।जांचकर्ताओं के अनुसार, हमलावर की उम्र कॉलेज जाने वाले छात्र के बराबर बताई जा रही है। वह भीड़ में आसानी से घुल-मिल गया और फिर कैंपस की छत पर जाकर गोली चलाई। इसके बाद वह पीछे के रास्ते से कूदकर पास के इलाके में फरार हो गया। बरामद हथियार एक पुरानी माउजर है, जिसके मैगजीन में तीन जिंदा कारतूस और एक खाली खोखा मिला। बताया गया है कि कारतूस पर कुछ विचारधारात्मक संदेश खुदे हुए थे। अब तक एफबीआई को 130 से ज्यादा सुराग मिल चुके हैं और एजेंसी ने आम जनता से अपील की है कि वे घटना से जुड़ी फोटो या वीडियो उपलब्ध कराएं, ताकि हमलावर तक जल्द पहुंचा जा सके।

## नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन और संसद विघटन पर बुलाई गई बैठक के समय में बदलाव, कर्फ्यू में ढील

एजेंसी

**काठमांडु (नेपाल)।** नेपाल में अभूतपूर्व संकट के बीच अंतरिम सरकार के गठन और संसद के विघटन के मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए शुक्रवार सुबह 9 बजे बुलाई गई बैठक के समय में बदलाव कर यह बैठक दोपहर 2 बजे बुलाई गई है। राष्ट्रपति भवन ने तैयारियों का हवाला देते हुए दोपहर 2 बजे तक के लिए बैठक स्थगित किए जाने की जानकारी दी है।उधर, कई दिनों की हिंसक घटनाओं को देखते हुए राजधानी काठमांडु में लगाए गए कर्फ्यू में ढील दी गई है जिससे सड़कों पर आम आवाजाही देखी गई। अंतरिम सरकार का गठन और संसद विघटन पर आम सहमति बनाने के लिए आज सुबह 9 बजे यह महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी। लेकिन कई पक्षों से बातचीत करने और सहमति जुटाने की बात कहते हुए बैठक स्थगित किए जाने की जानकारी राष्ट्रपति के सलाहकार डा. सुरेश चालीसे ने दी है।

इससे पहले बीती रात 10 बजे से लेकर आज सुबह 3 बजे तक चली बैठक में इन मुद्दों को लेकर कोई सहमति नहीं बन पाई थी। सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने को लेकर सहमति का दावा भी किया गया है। पर संसद विघटन पर राजनीतिक दलों ने अपनी आपत्ति जताई है।कई दिनों की हिंसक घटनाओं के बाद नेपाल की राजधानी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार सुबह सीमित सार्वजनिक गतिविधि की वापसी देखी गई। नेपाली सेना ने अस्थायी रूप से कर्फ्यू हटा लिया है। सेना ने एक बयान जारी कर सुबह 6 बजे से 11 बजे के बीच आवश्यक उद्देश्यों के लिए बाहर निकलने की अनुमति दी है, जिससे बाजारों में भीड़भाड़ बढ़ गई है। शाम 5 बजे से शाम 7 बजे तक दूसरी छूट अवधि निर्धारित की गई है। सेना के जनसंपर्क और सूचना निदेशालय के अनुसार, शेष दिन के दौरान सख्त प्रतिबंध बना हुआ है। सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है। हालांकि चिकित्सा कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों, सरकारी कर्मचारियों, पत्रकारों और एम्बुलेंस और आवश्यक श्रमिकों को परिचय पत्र पर यात्रा करने की अनुमति है। सेना ने कहा कि रात का कर्फ्यू शुक्रवार शाम 7 बजे फिर से शुरू होगा और शनिवार सुबह 6 बजे तक जारी रहेगा। साथ ही सेना ने चेतावनी देते हुए कहा कि स्थितियों को देखते हुए योजनाओं को बढ़ाया जा सकता है। 8 और 9 सितंबर को जेन जी के नेतृत्व वाले दो दिनों के विरोध प्रदर्शनों के बाद स्थितियां बुरी तरह बिगड़ गई थी, जिसमें कम से कम 34 लोग मारे गए और एक हजार से अधिक घायल हो गए।

## नेपाल पुलिस का जेलों से भागे कैदियों से आत्मसमर्पण का आह्वान

एजेंसी

**काठमांडू (नेपाल)।** नेपाल पुलिस ने देशव्यापी अपील जारी कर फरार कैदियों और बंदियों से तुरंत नज़दीकी सुरक्षा प्राधिकरण को रिपोर्ट करने का आग्रह किया है। पुलिस ने आह्वान किया है कि सभी कैदी और बंदी आत्मसमर्पण कर दें।

आठ और नौ सितंबर को जेन जी समूह के हिंसक उपद्रव और आगजनी के दौरान लगभग सात हजार कैदी देश भर की जेलों से भागने में सफल रहे हैं। द राइजिंग नेपाल अखबार की खबर के अनुसार, नेपाल पुलिस मुख्यालय ने जारी सार्वजनिक सूचना में जेलों और पुलिस कार्यालयों में तोड़फोड़ और आगजनी के बाद फरार हुए सभी व्यक्तियों से बिना किसी देरी के सुरक्षा एजेंसियों से

संपर्क स्थापित करने का आह्वान किया। चेतावनी दी गई है कि ऐसा न करने पर अतिरिक्त कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। हालांकि, पुलिस ने इस बात पर जोर दिया कि जो लोग स्वेच्छा से आत्मसमर्पण करेंगे, उन्हें आगे की दंडात्मक कार्रवाई से बचाया जाएगा।

## इजराइली हमले के बाद अमेरिका से रिश्ते मजबूत करने को कतर पीएम का वॉशिंगटन दौरा

एजेंसी

**वॉशिंगटन।** कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद अब्दुलरहमान अल थानी वॉशिंगटन पहुंचेंगे, जहां वे शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब इजराइल ने हाल ही में दोहा में हमास नेताओं को निशाना बनाया था। इजराइली चैनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, अल थानी की मुलाकात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से तय है। संभावना है कि वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी मुलाकात कर सकते हैं। इस दौरे को ऐसे संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि वॉशिंगटन कतर के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। ट्रंप ने इसी सप्ताह अपने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि कतर के साथ एक नया सुरक्षा समझौता आगे बढ़ाया जाए। कतर को पहले से ही मेजर नॉन-नाटो एलाय (प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी) का दर्जा प्राप्त है। हालांकि, नया समझौता होने की स्थिति में अमेरिका द्वारा अतिरिक्त हथियारों की बिक्री या वहां और सैनिकों की तैनाती शामिल हो सकती है।

## ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को 27 साल तीन महीने जेल की सजा, फैसले से ट्रंप निराश

एजेंसी

**ब्रासीलिया।** ब्राजील के उच्चतम न्यायालय ने देश के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को 2022 के चुनाव को पलटने की साजिश का नेतृत्व करने के लिए दोषी ठहराया है। इसमें अदालतों को भंग करना, सेना को सशक्त बनाना और निर्वाचित राष्ट्रपति की हत्या का षड़यंत्र रचना शामिल है। इस मामले की सुनवाई पांच न्यायाधीशों ने की। इनमें से चार ने बोल्सोनारो और उनके साथी तत्कालीन रक्षा मंत्री और नौसेना कमांडर सहित सात सह षड्यंत्रकारियों को दोषी ठहराया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार उच्चतम न्यायालय ने 70 वर्षीय बोल्सोनारो को 27 साल तीन महीने जेल की सजा सुनाई। ब्राजील में राजशाही खत्म होने के बाद अब तक सेना कम से कम 15 बार तख्तापलट और तख्तापलट करने के प्रयास कर चुकी है। ब्राजील में पहली बार ऐसे मामले में किसी भी पूर्व राष्ट्रपति को सजा सुनाई गई है। बोल्सोनारो को दक्षिणपंथी आंदोलन का अगुवा माना जाता है।इस फैसले से ब्राजील और अमेरिका के बीच संघर्ष बढ़ने की संभावना है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप कई बार ब्राजील से बोल्सोनारो के खिलाफ आरोप वापस लेने की मांग कर चुके हैं। व्हाइट हाउस ने ब्राजील पर भारी टैरिफ लगाकर इसके लिए दबाव भी बनाया था। साथ ही उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की थी, मगर न्यायपालिका ने इसकी फिक्र नहीं की। न्यायाधीशों ने पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराते हुए अमेरिका के हस्तक्षेप के प्रयासों की

आलोचना की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस फैसले से आहत है। ट्रंप ने वाशिंगटन में संवाददाताओं से कहा, मैं फैसले से बहुत दुखी हूं। मैं बोल्सोनारो को जानता हूं। उन्हें पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि यह एक भयानक फैसला है। सच में ब्राजील के लिए बहुत बुरा फैसला है। इस बीच बोल्सोनारो ने एक बार फिर सभी आरोपों से इनकार किया। बोल्सोनारो के वकील पाउलो कुन्हा ब्यूनो ने फैसले से पहले कहा था, उनका कभी भी तख्तापलट करने का इरादा नहीं था। यह वास्तव में एक राजनीतिक आरोप है। अगर पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराया जाता है तो न्यायपालिका के इतिहास का यह काला अध्याय होगा।

इससे पहले बोल्सोनारो के एक बेटे ने अपने पिता को सजा से बचाने के लिए व्हाइट हाउस में पैरवी की थी और फिर जुलाई में ट्रंप ने हस्तक्षेप किया। मगर यह सब काम नहीं आया। ब्राजील पर 50 प्रतिशत का भारी-भरकम टैरिफ भी ब्राजील को झुका नहीं पाया। अमेरिका ने जस्टिस मोरेस पर कुछ सबसे कड़े प्रतिबंध लगाए। तब भी फैसला पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ आया। बोल्सोनारो 2018 में राष्ट्रपति चुने गए थे। भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ जन लहर ने उन्हें सत्ता में ला दिया था। उस समय उनके सबसे प्रबल प्रतिद्वंद्वी लूला भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल में थे। बोल्सोनारो 1964 से 1985 तक देश पर शासन करने वाली सैन्य तानाशाही की प्रशंसा करते रहे हैं। ट्रंप की तरह बोल्सोनारो ने अपने देश के रूढ़िवादी आंदोलन को और दक्षिणपंथी बनाया और इसके ध्वज वाहक रहे।

## उत्तराखंड में पर्यटन के लिए केंद्र और एडीबी ने 126 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बुधवार को उत्तराखंड के टिहरी झील क्षेत्र में सतत और जलवायु-लचीले पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 126.4 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना उत्तराखंड के सबसे जलवायु-संवेदनशील और आर्थिक रूप से वंचित क्षेत्रों में से एक टिहरी गढ़वाल जिले को लक्षित करती है। इस समझौते पर भारत सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी और एडीबी की ओर से भारत निवासी मिशन के प्रभारी अधिकारी काई वेई येओ ने हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य राज्य के सबसे अधिक जलवायु-संवेदनशील और आर्थिक रूप से वंचित क्षेत्रों में से एक, टिहरी गढ़वाल जिले में ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना और पर्यटन बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इसका उद्देश्य बेहतर पर्यटन योजना, उन्नत बुनियादी ढांचे, बेहतर स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन, और आपदा तैयारी के माध्यम से 87,000 से अधिक निवासियों और 27 लाख वार्षिक आगंतुकों को लाभान्वित करना है। इसके प्रमुख कार्यक्रमों में संस्थागत सुदृढ़ीकरण, जलवायु-लचीला बुनियादी ढांचा, भूस्खलन और बाढ़ के जोखिम को कम करने के लिए प्रकृति-आधारित समाधान तथा महिलाओं, युवाओं और निजी क्षेत्र के नेतृत्व में समावेशी पर्यटन सेवाएं शामिल हैं।

## जीएसटी सुधार से खनन क्षेत्र में आवास और लघु उद्यमों को बढ़ावा मिलेगा

**नई दिल्ली।** खनन क्षेत्र से संबंधित वस्तुओं के लिए नई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों और स्लैब का आवास उद्योग और लघु उद्योगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। नई दरों के तहत मार्बल और ट्रैवर्टीन और ग्रेनाइट ब्लॉक पर अब 5 फीसदी वस्तु एवं सेवा कर लगेगा, जबकि पहले यह दर 12 फीसदी थी। खान मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जीएसटी दरों में कमी से आवास क्षेत्र को लाभ होगा, क्योंकि मार्बल और ग्रेनाइट का उपयोग आवास उद्योग में बड़े पैमाने पर होता है। ग्रेनाइट और मार्बल का खनन राजस्थान, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्यों में होता है। सैंड लाइम ब्रिक्स या स्टोन इनले वर्क पर जीएसटी दरों में कमी से कम लागत वाले आवासों की निर्माण लागत, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में और कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा खान मंत्रालय से संबंधित सेवाओं पर जीएसटी दरों की सिफारिशों के संदर्भ में देश के भीतर माल के मल्टी मॉडल परिवहन की आपूर्ति के लिए वस्तु एवं सेवा कर दरों को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी (प्रतिबंधित ऋण के साथ) करने से खनन और खनिज उद्योग, विशेष रूप से लौह अयस्क को लाभ होगा, जिसमें लंबी दूरी की आवाजाही शामिल है।

## भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पहला चरण नवंबर तक अंतिम रूप ले लेगा :पीयूष गोयल

**नई दिल्ली/पटना।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पहला चरण नवंबर तक अंतिम रूप ले लेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वार्ता आगे बढ़ रही है, उससे दोनों पक्ष संतुष्ट हैं। गोयल ने बिहार की राजधानी पटना में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को सबोधित करते हुए कहा कि व्यापार समझौते को नवंबर तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता आगे बढ़ रही है, जिसकी पुष्टि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने की है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री की ये टिप्पणी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच सोशल मीडिया पर सकारात्मक बातचीत के एक दिन बाद आई है। उन्होंने कहा कि इसी साल फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप दोनों ने अपने मंत्रियों को नवंबर तक समझौते के पहले भाग को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया था।गोयल ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यही बात दोहराई थी। उन्होंने कहा कि भारत संभावित व्यापार समझौतों के लिए अमेरिका और न्यूजीलैंड के साथ सक्रिय रूप से चर्चा कर रहा है।

## फिच ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.9 फीसदी किया

**नई दिल्ली।** वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर दिया है। इससे पहले फिच ने 6.5 फीसदी की दर से भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ने का अनुमान जताया था। फिच ने सितंबर के लिए जारी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (जीईओ) में अप्रैल-जून तिमाही के जीडीपी परिणाम (7.8 फीसदी की वृद्धि) को देखते हुए मजबूत वृद्धि और घरेलू मांग के चलते 31 मार्च, 2026 को समाप्?त होने वाले चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने पूर्वानुमान को 6.5 फीसदी से संशोधित कर 6.9 फीसदी कर दिया है। यह जून, जीईओ में 6.7 फीसदी के पूर्वानुमान से काफी ज्यादा है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च और जून तिमाहियों के बीच आर्थिक गतिविधियों में तेजी से वृद्धि हुई है। वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही के 7.4 फीसदी से बढ़कर सालाना आधार पर 7.8 फीसदी हो गई है। फिच ने कहा कि अप्रैल-जून के नतीजों के आधार पर चालू वित्त वर्ष के लिए जारी जीडीपी दर अनुमान को संशोधित करके 6.9 फीसदी किया गया है।

# ऑस्टेरे सिस्टम्स की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट कंपनी ऑस्टेरे सिस्टम्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 55 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 37.36 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 75.55 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी ही देर में उछल कर 78.50 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 42.72 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। ऑस्टेरे सिस्टम्स का 15.17 करोड़ रुपये का आईपीओ 3 से 9 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था,

जिसके कारण ये ओवरऑल 1,076.99 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 236.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2,149.19 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1,090.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 28.30 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.77 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.15 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद 2024-25 में कंपनी के शुद्ध लाभ में गिरावट आ गई। इस वर्ष शुद्ध लाभ घट कर 4.01 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 10 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 18.86 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

## पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जल्द ही 50 लाख 'रूफटॉप सोलर' सिस्टम लगाए जाएंगे : जोशी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत देशभर में 20 लाख से ज्यादा घरों में रूफटॉप सोलर प्रणाली (छत पर सौर बिजली परियोजना) लगाई जा चुकी हैं, बहुत जल्द इसमें 30 लाख की संख्या और जुड़ जाएगी। हालांकि, उन्होंने इस योजना के तहत एक करोड़ लाभार्थियों के लिए रूफटॉप सोलर लगाने के लक्ष्य का आधा हिस्सा हासिल करने के लिए कोई समय सीमा नहीं बताई।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा पर राज्य समीक्षा बैठक में जोशी ने कहा कि भारत का 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता हासिल करने का लक्ष्य पहले ही आधे से ज्यादा हासिल हो चुका है। मंत्री ने कहा कि देश ने 251.5 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता को पार कर लिया है। इस उपलब्धि को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण बताया, जिसने भारत के स्वच्छ ऊर्जा विकास और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को बदल दिया है, और विकसित भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि भारत 2028 तक स्वदेशी सौर सेल निर्माण के लक्ष्य के साथ एक संपूर्ण स्वदेशी सौर मूल्य श्रृंखला के निर्माण की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश अब वेफर्स और इनगॉट्स के लिए घरेलू क्षमता विकसित करने के लिए मॉड्यूल से आगे बढ़ रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि संपूर्ण सौर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र भारत में ही स्थापित हो।

# सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी ने एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। 24 कैरेट सोना आज पहली बार उछल कर 1.11 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1.02 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है। चांदी की कीमत भी आज 2,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,11,280 रुपये से लेकर 1,11,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 1,02,000 रुपये से लेकर 1,02,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,11,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,11,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,11,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,11,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,11,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,11,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,02,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,02,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,11,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,02,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,11,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

# ग्लोबल मार्केट में उथल-पुथल, डॉलर की तुलना में 34 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** ग्लोबल मार्केट में जारी उथल पुथल और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल और मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में कमजोर होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 34 पैसे फिसल कर 88.45 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 88.11 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।

रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी सांकेतिक गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले सिर्फ 1 पैसे की कमजोरी के साथ 88.12 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद डॉलर की मांग में आई तेजी के कारण रुपया लगातार

फिसलते हुए 88.46 के सबसे निचले स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 34 पैसे की कमजोरी के साथ 88.45 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी उठा पटक की वजह से मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 10.51 पैसे की गिरावट के साथ 119.41 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 14.91 पैसे की कमजोरी के साथ 103.34 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ।

# मजबूत लिस्टिंग के बाद शर्वया मेटल्स को लगा झटका, बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** एल्यूमिनियम प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी शर्वया मेटल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद निवेशकों को तब करारा झटका लगा, जब बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कंपनी के शेयरों पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 196 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 11.73 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 219 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में शुरू हुई बिकवाली के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 208.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों का मुनाफा घट

कर 6.15 प्रतिशत रह गया। शर्वया मेटल्स का 58.80 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 9 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 6.09 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.31 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 19 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 5 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के तहत नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी सिविल कंस्ट्रक्शन और इलेक्ट्रिफिकेशन करने, मशीनरी की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.95 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 1.54 करोड़ रुपये के स्तर पर गया। हालांकि 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 12.51 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

## कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत फास्ट ट्रैक विलय के दायरे का विस्तार किया

एजेंसी

**मुंबई।** भारत के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत त्वरित विलय के दायरे का विस्तार किया है, जिससे चुनिंदा कॉर्पोरेट संयोजनों के लिए अनुपालन में उल्लेखनीय रूप से आसानी हुई है। इस कदम का उद्देश्य कॉर्पोरेट पुनर्गठन में तेजी लाना, न्यायिक अड़चनों को दूर करना और विदेशी एवं घरेलू निवेशकों के लिए अधिक विश्वसनीय वातावरण तैयार करना है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि? एमसीए ने 4 सितंबर, 2025 को सीएए नियमों में संशोधन किया है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 233(1) (i) दो या दो से अधिक छोटी कंपनियों और (ii) होल्डिंग कंपनी और उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के बीच विलय/विभाजन की अनुमति देती है। धारा 233 केंद्र सरकार (एमसीए) को नियमों के जरिए ऐसी अतिरिक्त श्रेणियों की कंपनियों को निर्धारित करने का अधिकार देती है जो ऐसी फास्ट ट्रैक प्रक्रिया का लाभ उठा सकती हैं।

मंत्रालय के मुताबिक ये निर्णय बजट भाषण 2025-2026 के पैरा 101 के अनुसरण में ऐसे विलयों के दायरे को और बढ़ाने के संदर्भ में लिया गया है। संबंधित संशोधन अधिसूचना (राजपत्र अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 603 (ई) दिनांक 04 अगस्त, 2025 कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की वेबसाइट www.mca.gov.in पर उपलब्ध है। इसकी जानकारी के लिए लिंक: https://www.mca.gov.in/bin/ebook/dms/getdocument?doc=NTYzMDgwMjY®&docCategory=Notifications&type=open पर संपर्क कर सकते हैं।

# स्टॉक मार्केट में विगोर प्लास्ट की मजबूत एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सीपीवीसी और यूपीवीसी प्लम्बिंग पाइप और फिटिंग्स बनाने वाली कंपनी विगोर प्लास्ट इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 81 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.94 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 85 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर में तेजी आ गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 89 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक के कारोबार में 9.88 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। विगोर प्लास्ट इंडिया लिमिटेड का 25.10 करोड़ रुपये का

आईपीओ 4 से 9 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 7.03 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 20.25 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 6 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अहमदाबाद में अपना नया वेयर हाउस बनाने, पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.93 करोड़ रुपये के स्तर पर और 2024-25 में उछल कर 5.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

# डीएफएस सचिव ने बुनियादी ढांचा क्षेत्र में वित्तपोषण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की

एजेंसी

**नई दिल्ली।** वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों और विकास वित्त संस्थानों की बैठक की अध्यक्षता की। डीएफएस सचिव एम. नागराजू की अध?यक्षता में इस बैठक में वित्तपोषण की उपलब्धता में अंतर, म्यूनिसिपल बांड जारी करने में बाधाएं, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण को बढ़ाने के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस दौरान बुनियादी ढांचा क्षेत्र में वित्तपोषण से संबंधित मुद्दों पर विभिन्न सिफारिशें प्रस्तुत की गईं। बैठक में इस बात पर सहमति हुई कि राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा एवं विकास वित्तपोषण बैंक सभी

संबंधित हितधारकों से परामर्श करके 15 दिनों के भीतर वित्तीय सेवा विभाग को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इस बैठक में प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों, विकास वित्तीय संस्थानों और एनबीएफसी-आईएफसी के वरिष्ठ प्रबंधन ने भाग लिया।

## एनएसई ने आईएफएससीए के पूर्व प्रमुख इंजेती श्रीनिवास को चेयरमैन किया नियुक्त

एजेंसी

**मुंबई।** नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के पूर्व चेयरमैन इंजेती श्रीनिवास को अपना चेयरमैन नियुक्त किया। एनएसई में पिछले दो साल से कोई चेयरमैन नहीं था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने एक बयान में कहा कि एनएसई के बोर्ड और प्रबंधन ने इंजेती श्रीनिवास का एक्सचेंज के गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में स्वागत किया। ओडिशा कैडर के 1983 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी श्रीनिवास पिछले सप्ताह एनएसई के बोर्ड में जनहित निदेशक के रूप में शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब शेयर बाजार अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले इंजेती श्रीनिवास कॉरपोरेट मामलों के सचिव के रूप में कार्य किया है। वे आईएफएससीए के संस्थापक अध्यक्ष थे। वहां उन्होंने संस्थागत सुधारों, शासन वृद्धि और प्रणालीगत नीति नवाचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

# लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 78 हजार करोड़ का फायदा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने की थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। दिन के पहले सत्र में ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव बना रहा, लेकिन दूसरे सत्र में खरीदारों ने अपना दम दिखाया, जिससे बाजार निचले स्तर से रिकवरी करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान एनर्जी, बैंकिंग और मीडिया सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह इंफ्रास्ट्रक्चर, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ऑटोमोबाइल, आईटी, टेक और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 75 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 457.23 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 456.45 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 78 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,281 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,108 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,012 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 161 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,766 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,360 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,406 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 207.85 अंक की कमजोरी के साथ 81,217.30 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसे ये सूचकांक थोड़ी देर में ही रिकवर करके हरे निशान में 81,583.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया। लिवाली का ये जोर अधिक देर तक टिक नहीं सका। थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक एक बार फिर गिर कर लाल निशान में पहुंच गया हालांकि दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारों ने दोबारा लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2:30 बजे के करीब ये सूचकांक 217.07 अंक की मजबूती के साथ 81,642.22 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद आखिरी 1 घंटे के कारोबार में हुई मामूली मुनाफा वसूली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 85 अंक फिसल कर 123.58 अंक की मजबूती के साथ 81,548.73 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

## वो मुस्लिम एक्ट्रेस

# नरगिस फाखरी

## जिसके पिता पाकिस्तानी, खुद सुनती हैं हनुमान चालीसा, सलमान-अक्षय संग किया काम



एक एक्टर को अपने शुरुआती करियर में हर तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं. इस पर न ही धर्म आगे आ सकता है, न ही कुछ और. लेकिन लोग फिल्मी सितारों को धर्म के नाम पर खूब ट्रोल करते हैं. किसी हिंदू एक्ट्रेस को मुस्लिम एक्टर के साथ देखकर बवाल, तो शादी करने पर भी कुछ ऐसा ही. लेकिन हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, उसने 16 साल की उम्र में करियर की शुरुआत की थी. हालांकि, यह एक्ट्रेस अमेरिका में बतौर मॉडल भी काम कर चुकी हैं. पर अब बॉलीवुड फिल्मों में धूम मचा रही हैं. क्या आपने पहचाना ?45 साल की यह एक्ट्रेस हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म में नजर आईं थी. वहीं सलमान खान कीचद्वष्द्म में भी काम किया है. वो खुद को ग्लोबल सिटीजन कहती हैं. वजह है उनके माता-पिता, जो अलग-अलग देश से हैं. इस एक्ट्रेस ने रणबीर कपूर की फिल्म 'रॉकस्टार' से डेब्यू किया था. साथ ही अपनी एक्टिंग से सबको काफी इम्प्रेस किया.

**कौन हैं ये बॉलीवुड एक्ट्रेस ?**

जिस बॉलीवुड एक्ट्रेस की बात हो रही है, वो हैं- नरगिस फाखरी. दरअसल एक्ट्रेस की मम्मी छ5द्रष्द्ध से हैं, जबकि उनके पिता पाकिस्तानी थे. पर जब वो 6 साल की थीं, तब ही उनके माता-पिता का तलाक हो गया था. वहीं, कुछ साल बाद उनके पिता का निधन भी हो गया. एक्ट्रेस लगातार फिल्मों में काम करती नजर आ रही हैं. अपने करियर में अबतक 16 से ज्यादा फिल्में कर चुकी हैं.

उनकी पिछली फिल्म 'हाउसफुल 5' थी. वहीं, दूसरी ओर कई सारी म्यूजिक वीडियो में भी दिख चुकी हैं. एक्ट्रेस को अपने परफॉर्मेंस के लिए कई अवॉर्ड्स भी मिल चुके हैं.

हालांकि, नरगिस फाखरी ने खुद एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें गायत्री मंत्र सुनना पसंद है. उनके मुताबिक, इससे उन्हें अच्छा फील होता है. साथ ही बताया कि वो धार्मिक नहीं हैं, बल्कि आध्यात्मिक हैं. हालांकि, जब भी वो टेंशन में होती हैं, उस वक्त हनुमान चालीसा भी सुनती हैं. एक्ट्रेस को सभी धर्मों के बारे में जानने की इच्छा रहती है.

**इस एक्टर को कर चुकी हैं डेट**

दरअसल नरगिस फाखरी का नाम धूम एक्टर से जुड़ चुका है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने उदय चोपड़ा को 2013 से 2017 तक डेट किया था. साथ ही बताया कि वो काफी अच्छे इंसान थे. पर बिजी और काम के तनाम के चलते वो रिश्ता टूट गया. हालांकि, फरवरी 2025 में लॉस एंजिल्स में एक्ट्रेस ने टोनी बेग से गुपचुप शादी कर ली थी. जहां सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार वाले मौजूद थे.

## 'अब बंबई बोला तो...' कॉमेडियन कपिल शर्मा को MNS नेता ने दी चेतावनी, शहर का अपमान करने का लगाया आरोप



कॉमेडियन कपिल शर्मा का शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' हमेशा से ही सुर्खियों में रहता है. शो को फैंस बहुत पसंद करते हैं. पहले जब ये शो टेलिविजन पर आता था, तब भी फैंस इसे देखना पसंद करते थे और अब जब ये शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होता है तब भी फैंस हर बार शो के नए एपिसोड का बेसब्री से इंतजार करते हैं. कपिल के शो में हर बार कोई ना कोई नए सैलेब आते हैं, जिनको देखना फैंस बहुत पसंद करते हैं.कपिल के शो में अभी तक बॉम्बे का जिक्र होता रहा है, जबकि, आधिकारिक तौर पर सालों पहले बॉम्बे को मुंबई नाम दे दिया गया था. अब इस बात पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने आपत्ति जताई है. एमएनएस का कहना है कि कपिल के शो में शहर का नाम गलत लिया जाता है और इसे जल्द से जल्द ठीक किया जाना चाहिए.

**एमएनएस नेता ने दी चेतावनी**

एमएनएस के नेता अमेय खोपकर का कहना है कि बॉलीवुड सहित अन्य जगहों पर मुंबई को सम्मान देते हुए उसका सही नाम लिया जाना चाहिए, जबकि कपिल के शो में ये नाम कई बार गलत लिया गया है. उन्होंने एक्स पर इसे लेकर पोस्ट लिखा है. राज ठाकरे की महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (MNS) बीते कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बनी है. पहले भाषा विवाद और फिर कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी को लेकर एमएनएस लगातार सुर्खियों में रही.

अब राज ठाकरे की पार्टी के एक नेता ने कॉमेडियन कपिल शर्मा और नेटफ्लिक्स को धमकी दी है, जिसमें उन्होंने कहा है कि कपिल शर्मा शो में कई लोग मुंबई को 'बॉम्बे' बोलते हैं, वो ऐसा करना तुरंत बंद करें. MNS चित्रपट सेना प्रमुख अमेय खोपकर ने कपिल शर्मा और उनके शो पर नाराजगी जताते हुए एक्स पर पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि भले ही मुंबई का नाम 30 साल पहले बदल दिया गया हो, लेकिन हिंदी फिल्मों, ओटीटी प्लेटफॉर्म और कपिल शर्मा शो में आज भी 'बॉम्बे' शब्द का इस्तेमाल हो रहा है, इसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए.

## शर्टलेस सलमान खान ने कुनिका को कंधे पर उठाकर किया था डांस? ये है सच्चाई

सलमान खान इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर बिजी हैं. हालांकि, जब 'बिग बॉस 19' की शुरुआत हुई, तब भाईजान मौजूद थे. वो पिछले वीकेंड के वार में कई कंटेस्टेंट्स की क्लास लगाते भी दिखे. हालांकि, अब आने वाले कुछ हफ्तों में बिग बॉस में नहीं दिखेंगे. फिल्म की शूटिंग के लिए लद्दाख पहुंचे एक्टर को अभी वक्त लगेगा. इस हफ्ते अरशद वारसी और अक्षय कुमार नए होस्ट बने दिखेंगे. जो अपनी जॉली एलएलबी 3 को प्रमोट कर रहे हैं. इसी बीच सलमान खान का एक वीडियो वायरल हो गया है. क्या वो कुनिका को कंधे पर उठाकर डांस कर रहे हैं.

दरअसल बिग बॉस पर कुनिका सदानंद को फेवर करने का आरोप लग रहा है. पिछले टास्क में कुनिका कानों में रुई लगाकर बैठी दिखीं, लेकिन बिग बॉस की तरफ से उन्हें कुछ नहीं बोला गया. जबकि, पिछले वीकेंड के वार में कुनिका के बेटे को बुलाकर दोनों की इमोशनल कहानी को लोगों के सामने दिखाया गया. खैर, यह रही एपिसोड की बात, अब आते हैं सलमान के वायरल डांस वीडियो पर.

**क्या कुनिका के साथ सलमान ने किया डांस ?**

कुनिका सदानंद ने बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है. अब कहा जा रहा है कि सलमान खान को पहले से जानती हैं इसलिए बिग बॉस एक्ट्रेस को फेवर कर रहा है. अब सलमान खान के वायरल वीडियो का सच क्या है? दरअसल वीडियो में सलमान खान एक स्टेज परफॉर्मेंस करते दिख रहे हैं. उसी वक्त शर्टलेस सलमान के पास एक लड़की आती है और डांस करने लगती हैं. ब्लैक ड्रेस में इस डांसर को कुनिका सदानंद बताया गया है. यह एक अवॉर्ड शो था, जहां सलमान खान बाद में उस डांसर को कंधे पर उठा लेते हैं. तभी सामने बैठे ऋषि कपूर समेत कई स्टार्स तालियां बजाते दिखे.हालांकि, X पर एक यूजर लिखता है कि यह कुनिका सदानंद हैं. हालांकि, सच यह है कि यह लड़की कुनिका नहीं हैं. वीडियो में सलमान खान के साथ डांस कर रहीं यह लड़की कोरियोग्राफर पोनी वर्मा हैं, जो प्रकाश राज की पत्नी हैं. यह वीडियो 43वें फिल्मफेयर अवॉर्ड का बताया जा रहा है, जो साल 1998 में हुआ था.

**कुनिका हो रही हैं ट्रोल**

दरअसल इस हफ्ते बिग बॉस के एक एपिसोड को लेकर कुनिका जमकर ट्रोल हुई. जिसमें कुनिका सदानंद ने तान्या मित्तल की मम्मी को लेकर कमेंट किया. न सिर्फ घरवाले, बल्कि घर के बाहर भी लोग तान्या के सपोर्ट में उतर आए हैं. वहीं उन्होंने कुनिका की जमकर क्लास लगाई.

## वो बहुत ज्याद... 'राइज एंड फॉल' में

# धनश्री वर्मा

## ने लिया पवन सिंह से दूर रहने का फैसला

बिजनेसमैन और 'शार्क टैंक इंडिया' के जज रह चुके अशनीर ग्रोवर का शो राइज एंड फॉल इन दिनों चर्चा में है. अशनीर इस शो के होस्ट हैं वहीं कई सेलिब्रिटीज इस शो में बतौर कंटेस्टेंट पहुंचे हैं. इस शो को बिल्कुल सलमान खान के शो बिग बॉस के तर्ज पर बनाया गया है. 'राइज एंड फॉल' में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर धनश्री वर्मा और भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह भी



पहुंचे हैं. हाल ही के एक एपिसोड में धनश्री ने पवन सिंह को लेकर एक ऐसी बात कही है जो शायद पवन सिंह के फैंस को पसंद ना आए.'राइज एंड फॉल' में पवन सिंह अपने वन लाइनर्स और बड़ी-बड़ी बातों से दर्शकों को इंप्रेस करने में लगे हैं. हालांकि वो घर में कम ही बोलते हैं ऐसे में घर में रहने वाले ज्यादातर लोगों को पवन सिंह की ये चुप्पी पसंद नहीं आ रही है. हाल ही एक एपिसोड में धनश्री दूसरे कंटस्टेंट अरबाज पटेल के साथ बातचीत करती दिखीं. जिसमें उन्होंने पवन सिंह को लेकर भी कुछ बातें कहीं. धनश्री ने उस दौरान पवन सिंह के लिए क्या कहा ? आइए बताते हैं.

**धनश्री ने पवन सिंह के लिए 'राइज एंड फॉल' में क्या कहा ?**

उसी एपिसोड में अरबाज पटेल ने धनश्री से कहा कि उन्हें पवन सिंह से थोड़ा दूर रहना चाहिए क्योंकि अरबाज को पवन कुछ ठीक नहीं लग रहे. इसी पर धनश्री ने कहा, 'हां मैं दूरी बना रही हूं. मुझे भी कुछ चीजें अजीब लगीं और वो बहुत ज्यादा फ्लर्ट भी करते हैं. मुझे पवन सिंह का ये नेचर थोड़ा समझ नहीं आ रहा है और मैं उनसे या उनके ऐसे नेचर से दूर ही रहूं तो अच्छा है.' हालांकि, अब तक के एपिसोड्स में पवन सिंह काफी कम बोलते नजर आए हैं तो धनश्री ने ये बात किस आधार पर कही यही बात पवन सिंह के फैंस को अजीब लग रही.

# मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हाजिरी लगाई

## बाबा का पूजन अर्चन कर मॉरीशस में लोक कल्याण की कामना की

**वाराणसी।** धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) के तीन दिवसीय दौरे के आखिरी दिन शुक्रवार को मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम ने श्री काशी विश्वनाथ दरबार में हाजिरी लगाई। मंदिर के गर्भगृह में प्रधानमंत्री रामगुलाम ने पत्नी वीना रामगुलाम के साथ बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का अभिषेक किया। मंदिर के अर्चकों की देखरेख और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने षोडशोपचार विधि से बाबा का पूजन-अर्चन कर मॉरीशस में लोक कल्याण की कामना की। इस दौरान उनके साथ प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे।

धाम में मंदिर न्यास की ओर से मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम को अंगवस्त्रम, प्रसाद और स्मृतिचिह्न भेंट किया गया। काशी विश्वनाथ धाम के नव्य, भव्य और विस्तारित रूप देख प्रधानमंत्री रामगुलाम और उनकी पत्नी आह्लादित दिखे। मंदिर में आने-जाने के दौरान मेहमान प्रधानमंत्री ने श्रद्धालुओं का

अभिवादन हाथ जोड़ पूरे विनम्रता से किया। शिवभक्त भी हर-हर महादेव के पारम्परिक उद्घोष से मेहमान का स्वागत किया। इस दौरान श्री काशी विश्वनाथ धाम व आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। उनके आने-जाने के दौरान मार्ग पर यातायात प्रतिबंध भी लागू रहा।

मंदिर में दर्शन पूजन के बाद डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम होटल लौटकर थोड़ी देर विश्राम करेंगे। इसके बाद उनका काफिला वाराणसी एयरपोर्ट के लिए रवाना होगा। जहां से वे विशेष विमान से अयोध्या के लिए प्रस्थान करेंगे।

इससे पहले बुधवार शाम वाराणसी पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया था। उसके बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता में महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए थे।

शाम को प्रधानमंत्री रामगुलाम ने पत्नी और अपने देश के प्रतिनिधिमंडल के साथ विवेकानंद क्रूज पर सवार होकर काशी की विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती देखी। इस दौरान प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे।

## परफेक्ट हाइपरमार्केट के मालिक ने नए जीएसटी नियम लागू होने पर खुशी जताई

**शिवानी कौर बमराह**

**दिव्य दिल्ली :** दिल्ली के निहाल विहार में स्थित परफेक्ट हाइपरमार्केट के मालिक ने नए जीएसटी नियम लागू होने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह फैसला बाजार और ग्राहकों दोनों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो रहा है। पहले जहां टैक्स की जटिलता और ऊंची दरों की वजह से कारोबारियों को दिक्कत होती थी, वहीं अब नए नियमों के चलते पारदर्शिता बढ़ी है और लागत कम हुई है। इसका सीधा असर मार्केट में प्राइसिंग पर देखने को मिल रहा है। ग्राहकों को पहले से सस्ती दरों पर सामान मिल रहा है, जिससे उनकी जेब पर बोझ कम हुआ है। हाइपरमार्केट मालिक का कहना है कि इस फैसले से न केवल व्यापारियों को कारोबार बढ़ाने में आसानी होगी बल्कि ग्राहकों का भरोसा भी मजबूत होगा। उनका मानना है कि जीएसटी नियमों में किया गया यह बदलाव लंबे समय में बाजार की ग्रोथ और अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगा।

## इलेक्ट्रॉनिक सामान पर GST में कटौती से बाजार में तेजी, ग्राहकों को मिली राहत- कौशिक इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक

**शिवानी कौर बमराह**

**दिव्य दिल्ली :** इलेक्ट्रॉनिक सामान पर जीएसटी कम होने से ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है। हाल ही में सरकार ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती की है, जिससे टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन और अन्य घरेलू उपकरण अब सस्ते हो गए हैं। इसका असर बाजारों में साफ देखा जा रहा है जहां बिक्री में तेजी आई है और दुकानदारों के चेहरे पर भी रौनक लौट आई है। ग्राहक अब ज्यादा आत्मविश्वास से खरीदारी कर रहे हैं, जिससे त्योहारी सीजन से पहले बाजार में नई ऊर्जा महसूस की जा रही है। इसी सिलसिले में नांगलोई के शिव राम पार्क में स्थित कौशिक

फर्नीचर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स हाउस के मालिक से खास बातचीत कि, जीएसटी के फैसले पर उन्होंने कहा कि सरकार को ऑनलाइन सेल पर भी एक नियम बनाना चाहिए ताकि जो मार्केट में रिटेलर है उन्हे नुकसान न हो।

## गोपाल ज्वेलर्स ने सोने पर GST कटौती की मांग, ग्राहकों और कारोबारियों को राहत की उम्मीद"

**मनीषा**

**दिव्य दिल्ली :** दिल्ली के मादीपुर स्थित गोपाल ज्वेलर्स पर जीएसटी दरों को लेकर ज्वैलर्स ने अपनी राय रखी। उनका कहना है कि सोने पर वर्तमान में 3 प्रतिशत जीएसटी लागू है, अगर सरकार इसे और कम करती है तो इसका सीधा लाभ ग्राहकों और कारोबारियों दोनों को मिलेगा। वहीं, उन्होंने मेकिंग चार्ज पर लगने वाले 5 प्रतिशत टैक्स को भी कम करने की मांग की, ताकि ग्राहकों को खरीदारी में राहत मिल

सके।"

## गोल्ड और सिल्वर पर GST दर घटाने की मांग, ग्राहकों और ज्वैलर्स दोनों को होगी राहत"

**मनीषा**

**दिव्य दिल्ली :** जीएसटी इन दिनों काफी चर्चा में चल रही है। जिसके चलते दिव्या दिल्ली मीडिया की टीम लोगो की राय जानने पहुंचे दिल्ली के मादीपुर गहना ज्वेलर्स पर जहा सोने-चांदी पर लगने वाले GST को लेकर बात की गई उन्होंने बताया की गोल्ड पर 3 प्रतिशत GST लागू है, अगर सरकार इस टैक्स को 3 से घटाकर कम कर दे, तो इसका सीधा फायदा ग्राहकों और ज्वैलर्स दोनों को मिलेगा। और साथ ही मैकिंग चार्ज

पर 5 प्रतिशन की दर को भी कम करना चाहिए क्योंकि टैक्स दर कम होने से ग्राहकों को खरीदारी में राहत मिलेगी।

## गर्ग इलेक्ट्रिकल्स के मालिक बोले - जीएसटी घटने से दुकानदार और उपभोक्ता दोनों को मिलेगा फायदा"

**मनीषा**

**दिव्य दिल्ली :** दिल्ली के मादीपुर में स्थित गर्ग इलेक्ट्रिकल्स के मालिक ने जीएसटी पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरें कम होने से न सिर्फ दुकानदारों को राहत मिलेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी इसका सीधा फायदा होगा। उनका मानना है कि टैक्स कम होने से बिक्री बढ़ेगी और ग्राहकों की संख्या में इजाफा होगा। साथ ही, कारोबार पर भी इसका सकारात्मक असर पड़ेगा जिससे उनके बिजनेस में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

## इलेक्ट्रॉनिक सामान पर GST में कटौती से बाजार में तेजी, ग्राहकों को मिली राहत- अमित इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक

**शिवानी कौर बमराह**

**दिव्य दिल्ली :** इलेक्ट्रॉनिक सामान पर जीएसटी कम होने से ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है। हाल ही में सरकार ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती की है, जिससे टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और अन्य घरेलू उपकरण अब सस्ते हो गए हैं। इसी सिलसिले में नांगलोई के शिव राम पार्क में स्थित अमित इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक अमित गोयल ने कहा कि इसका असर बाजारों में साफ देखा जा रहा है जहां बिक्री में तेजी आई है और दुकानदारों के चेहरे पर भी रौनक

लौट आई है। ग्राहक अब ज्यादा आत्मविश्वास से खरीदारी कर रहे हैं, जिससे त्योहारी सीजन से पहले बाजार में नई ऊर्जा महसूस की जा रही है।

## वाराणसी: डाफी टोल प्लाजा के पास मुठभेड़, 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गुरुवार देर रात एक बड़ी पुलिस कार्रवाई के दौरान लंका थाना पुलिस ने डाफी टोल प्लाजा के पास मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए बदमाश को इलाज के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

मुठभेड़ की जानकारी पाते ही मौके पर डीसीपी क्राइम सरवणन टी. और एसीपी भी पहुंच गए। अफसरों ने मुठभेड़ की पूरी जानकारी ली और मौके पर छानबीन भी किया। डीसीपी क्राइम ने बताया कि वाराणसी पुलिस को विशेष अभियान ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत शहर में वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के निर्देश दिए गए थे। इसी दौरान लंका पुलिस को खबर मिली कि एक संदिग्ध युवक बिना नंबर प्लेट की बाइक से डाफी टोल प्लाजा क्षेत्र से गुजरने वाला है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर घेराबंदी की। कुछ ही देर में एक बिना नंबर की बाइक वहां से गुजरी, जिसे रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन बाइक सवार ने रफ्तार बढ़ा दी और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली बदमाश के दाहिने पैर के नीचे घुटने पर लगी, जिससे वह बाइक से गिर पड़ा।

मौके पर ही पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाश की पहचान बिहार के भभुआ निवासी जयकांत के रूप में हुई है, जिस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पूछताछ में जयकांत ने वाराणसी शहर में कई चेन स्नैचिंग की घटनाओं में शामिल होने की बात कबूली है। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा, कारतूस और चोरी की आशंका वाली बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद की है। डीसीपी क्राइम के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज से जयकांत की पहचान के बाद उस पर इनाम घोषित किया गया था। वर्तमान में वह बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में उपचाराधीन है और पुलिस की निगरानी में है।

पुलिस अब बदमाश के आपराधिक नेटवर्क और उसके साथियों की तलाश में जुट गई है।

## फर्जी दस्तावेज से किसान के नाम केसीसी बनवाकर निकाला धन

**हमीरपुर।** उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के सिरीला तहसील क्षेत्र के बंधौली गांव के किसान के नाम फर्जी दस्तावेज तैयार कर किसान क्रेडिट कार्ड बनवाकर धन निकाल लिया गया। इस मामले में किसान ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर धोखाधड़ी करने सम्बंधी जांच की मांग की। जिलाधिकारी ने प्रकरण की जांच कराई तो मामला सही पाया। इस पर शुक्रवार को उप्र ग्रामीण बैंक खेड़ा शिलाजीत के शाखा प्रबंधक, सर्वेयर व एक अज्ञात सहित तीन पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

बंधौली गांव निवासी अरुण कुमार पुत्र बाबूराम ने शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके नाम की भूमि व आधार कार्ड का गलत उपयोग कर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक खेड़ा शिलाजीत के बैंक मैनेजर ने किसी दूसरे व्यक्ति को किसान क्रेडिट कार्ड फर्जी तरीके से जारी कर 11 जुलाई को 1.52 लाख रुपयें का भुगतान किया। जिलाधिकारी ने एसडीएम सरीला एवं एलडीएम हमीरपुर से जांच कराई। जिसमें पाया गया कि किसी अन्य अरुण कुमार ने कूटरचित तरीके से वास्तविक अरुण कुमार पुत्र बाबूराम के नाम पर आधार कार्ड, पैन कार्ड बना कर तथा उन्हीं की वास्तविक खतौनी एवं खसरा सीएचसी से निकलवाकर शाखा में प्रस्तुत कर ऋण प्राप्त करने में सफल हो गए थे।

## कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करने वाले मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, साथियों ने लगाया जाम

**नोएडा, गौतमबुद्ध नगर।** थाना सेक्टर- 24 क्षेत्र के सेक्टर 32 में स्थित एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करने वाले मजदूर की बीती रात को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित कुछ कर्मचारियों ने आज सुबह इकट्ठा होकर सड़क जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर जाम खुलवाया।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि राजेश पुत्र गोपाल निवासी जनपद दुमका झारखंड उम्र 41 वर्ष सेक्टर 51 स्थित एक कंस्ट्रक्शन साइट पर फीटर का काम करते थे। वह सेक्टर 32 के जेजे कॉलोनी में रहते थे। रात्रि के समय उनकी तबीयत उनके घर पर अचानक खराब हो गई। उन्हें उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मृत्यु का कारण स्पष्ट न होने के चलते पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद आज सुबह को उनके साथ काम करने वाले कर्मचारी सेक्टर 32 के पास इकठ्ठे हुए तथा उन्होंने एलिवेटेड रोड के नीचे जाम लगा दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस के अधिकारियों उन्हें समझा-बुझाकर जाम खुलवाया।

## GST कम होने पर दुकानदारों में खुशी की लहर, बाजारों में बढ़ी ग्राहकों की संख्या- मेगा मित्तल मार्ट

**शिवानी कौर बमराह**

**दिव्य दिल्ली:** सरकार द्वारा हाल ही में कुछ आवश्यक वस्तुओं और दैनिक उपयोग की चीजों पर GST दरों में कटौती की गई है। इस फैसले के बाद व्यापारियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दरअसल दिल्ली के चंदर विहार में स्थित मेगा मित्तल मार्ट के मालिक बंसीलाल का कहना है कि GST कम

होने से न सिर्फ उनका मुनाफा बढ़ा है, बल्कि ग्राहक भी पहले की तुलना में अधिक संख्या में खरीदारी करने बाजार पहुंच रहे हैं। इसी सिलसिले में हमारी संवाददाता ने चंदर विहार स्थित मित्तल मेगा मार्ट के मालिक से खास बातचीत की।

## चंदौली में गंगा नदी के तेज बहाव में दिखा मगरमच्छ, स्थानीय लोग हुए एकत्रित

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी से सटे जिले चंदौली के धानापुर में स्थानीय लोगों ने गंगा नदी में मगरमच्छ को देखा और वन विभाग को इसकी जानकारी दी। शुक्रवार की सुबह मगरमच्छ देखे जाने के बाद नदी किनारे बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। लोगों ने तत्काल ही मगरमच्छ का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी किया।

मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को नदी से निकालने के लिए प्रयास आरंभ किया। वन विभाग की माने तो तेज बहाव और बाढ़ जैसी स्थिति में मगरमच्छ गहरे पानी से बहते हुए ऊपर की तरफ आ गया है। इस समय गंगा नदी में बाढ़ जैसे हालात है, जिसके कारण मगरमच्छ देखा जा रहा है।

## अज्ञात हमलावरों ने बेरहमी से की 75 वर्षीय वृद्ध महिला की हत्या

**उरई।** उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के कोंच कोतवाली क्षेत्र स्थित ग्राम भदेवरा में 75 वर्षीय वृद्धा परमा देवी की अज्ञात हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी। घटना गुरुवार रात की है, जब परमा देवी अपनी 21 वर्षीय नातिन पल्लवी जाटव के साथ घर पर अकेली थीं। इस दौरान अज्ञात हमलावरों द्वारा वृद्धा की हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस शुक्रवार की सुबह घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक परमा देवी घर पर अपनी 21 वर्षीय नातिन पल्लवी जाटव के साथ रह रही थीं। उनका बेटा कृष्ण बिहारी पशु बाड़े पर रहता था, जहां उसकी भैंस को बछड़ा हुआ था, जो घर से कुछ ही दूरी पर स्थित है।

## रामनगर की विश्वप्रसिद्ध धनुष यज्ञ की रामलीला में उमड़े लीलाप्रेमी,राम और सीता के विवाह की तैयारी

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के उपनगर रामनगर की विश्वप्रसिद्ध रामलीला में गुरूवार शाम धनुष यज्ञ की लीला देखने के लिए श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। रामलीला के प्रसंग में मिथिला नरेश राजा जनक के आमंत्रण पर मुनि विश्वामित्र राम और लक्ष्मण को लेकर रंगभूमि पहुंचे। उन्हें आमंत्रित राजाओं में सबसे उच्च स्थान दिया गया। यह देख अन्य राजा आश्चर्यचकित हो गए।

राजा जनक रंगभूमि में सभी को अपना प्रण बताते हैं। इसके बाद आमंत्रित सभी राजा भगवान शिव का धनुष उठाने का प्रयास करते हैं लेकिन कोई उसे हिला भी नहीं सका। तब राजा जनक विचलित हो गये । उन्होंने कहा कि यदि मैं जानता कि पृथ्वी वीरों से खाली हो गई है तो मैं यह प्रण कभी न करता। यह सुनकर राजकुमार लक्ष्मण क्रोधित हो उठते हैं। कहते हैं कि चाहूं तो पृथ्वी को घड़े की भांति उठा कर चुटकी में फोड़ दूं, यह धनुष क्या है। उनको क्रोधित देख मुनि विश्वामित्र राम को धनुष तोड़ने का संकेत देते हैं। गुरु को प्रणाम करके राम धनुष को उठा लेते हैं। उनके स्पर्श मात्र से प्रत्यंचा टूट जाती है। राम चरित मानस की चौपाइयां गूंजती है, लेत चढ़ावत खैंचत गाढ़ें, काहुं न लखा देख सबु ठाढ़ें। तेहि छन राम मध्य धनु तोरा, भरे भुवन धुनि घोर कठोरा... अर्थात लेते, चढ़ाते और जोर से खींचते हुए किसी ने नहीं लखा (अर्थात ये तीनों काम इतनी फुर्ती से हुए कि धनुष को कब उठाया, कब चढ़ाया और कब खींचा, इसका किसी को पता नहीं लगा), सबने श्रीरामजी को (धनुष खींचे) खड़े देखा। इसके बाद जानकी श्रीराम के गले में जयमाल डाल देती हैं। इधर,शिव धनुष टूटने का समाचार पाकर भगवान परशुराम क्रोध से व्याकुल होकर जनक के पास पहुंचते हैं और उन्हें भला-बुरा कहने लगते हैं। यह देखकर लक्ष्मण उनसे उलझ जाते हैं और कठोर वाणी बोलने लगते हैं।

# लखनऊ सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत, 19 घायल

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में काकोरी थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात कैसरबाग डिपो की रोडवेज बस दुर्घटना ग्रस्त हो गई। हादसे में बस में सवार पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी पाकर मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब, लखनऊ पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर, जिलाधिकारी विशाख जी समेत तमाम प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया हैं।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि हरदोई से यात्रियों को लेकर कैसरबाग डिपो की रोडवेज बस (यूपी 78 एल एन 1340) लखनऊ आ रही हैं। गुरुवार रात को बेता नाला पुल टिकैतगंज के पास बेकाबू होकर खाई में पलट गईं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

इधर, ट्रामा सेंटर पहुंचकर घायलों का हालचाल लेने के बाद जिलाधिकारी विशाख जी ने मरीजों को बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों को निर्देश दिए हैं।

## मुख्यमंत्री आवास के पास युवक ने जहरीला पदार्थ खाया

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गौतमपल्ली थाना क्षेत्र मुख्यमंत्री आवास के पास एक युवक ने जहर खा लिया। उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह सूचना मिली कि लामार्ट चौराहे के बगल में एक व्यक्ति की तबियत खराब है, जिसे उल्टी हो रही है। तत्काल थाना स्थानीय पुलिस जब मौके पर पहुंची तो जानकारी हुयी कि युवक ने जहरीला पदार्थ खाया हैं। उसे फौरन इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर उसका उपचार कर रहे हैं। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि जनपद बुलंदशहर के ग्राम तातारपुर निवासी अजय कुमार उर्फ धर्मेश कुमार (45) ने वर्ष 2014 में एक आटा चक्की लगाई थी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321